डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

वर्ष : 09 >अंक : 10 >मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

साप्ताहिक समाचार | मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

hillviewsamachar@gmail.com

सभी सुधि पाठकों को गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएँ

जयपुर
रविवार, 28 अगस्त 2022

रवि जैन, आयुक्त जेडीए

सो रहा प्रशासन!

गोपालपुरा बाईपास

हज़ारों विद्यार्थियों की जान ख़तरे में!

सो रही सरकार!

यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल

अवैध भवनों में चलते कोचिंग संस्थानों को भवन ख़ाली करने का नोटिस क्यों नहीं थमा रहा अब तक जेडीए?

शालिनी श्रीवास्तव

हिलव्यू समाचार के लगातार चेताने पर भी जेडीए की आखँ,नाक,कान बन्द क्यों है यह समझना मुश्किल नहीं है क्योंकि बिल्डरों व व्यापारियों से अच्छे संबंध आड़े आ जाते हैं लेकिन क्या इनका ख़ामियाज़ा मासूम विद्यार्थी भुगतेंगे?

गोपालपुरा बाईपास की किसी भी बिल्डिंग में आप जाकर निरीक्षण करें तो आप पाएंगे कि उसकी बिल्डिंग में बिल्डिंग बायलॉज का भरपूर उल्लंघन हुआ है और इन्हीं अवैध भवनों में सैकड़ों कोचिंग संस्थान चल रहे है भवन मालिक को ढेरों रुपये से मतलब है जो किराए के रूप में उसे मिल रहा है और कोचिंग वालों को भी ढेरों एडमिशन्स से मतलब हैं जो धन की वर्षा उन पर फ़ीस के रूप में बरसा रहे हैं दोनों की अवैधता लाखों विद्यार्थियों के जीवन से खिलवाड़ कर रही है क्योंकि...

- इन बिल्डिंग्स में ज़्यादातर प्रवेश व निकास का एक ही द्वार है। किसी भी आकस्मिक दुर्घटना के लिए कोई इंतज़ाम नहीं।
- आगजनी होने पर एक दूसरे से सटी सभी बिल्डिंग्स में पढ़ रहे विद्यार्थियों की जान ख़तरे में आ सकती है।
- फायर एनओसी तो दूर की बात है क्योंकि बिल्डिंग अवैध है तो मिल नहीं सकती लेकिन फायर सुरक्षा के कोई इंतज़ाम नहीं हैं।
- सेटबैक का अपना मसला है लेकिन यहाँ पार्किंग के लिए सड़क पर कब्ज़ा आम बात है।
- लाखों की फीस वसूलते ये संस्थान अवैध भवनों में किसकी शैय पर चलायमान हैं क्या विधायक, क्या मंत्री, क्या जेडीए, क्या नगर निगम? कौन है इन सबका ज़िम्मेदार ? या जब कोई दुर्घटना होगी आगजनी या सड़क हादसा होगा आपस में सब ज़िम्मेदार को ढूँढने निकलेंगे और एक-दूसरे पर दोषरोपण करके पल्ला झाड़ेंगे।

गोपालपुरा बाईपास@ सुबह 10 बजे

गोपालपुरा बाईपास@ शाम 4 बजे और यही स्थिति शाम 6 बजे भी

गोपालपुरा बाईपास@ सुबह 11 बजे से 12 बजे तक

गोपालपुरा बाईपास@ दोपहर 02 बजे

गोपालपुरा बाईपास का प्राइम टाइम दृश्य

सुबह 9.00 बजे से 10.00 बजे तक, 10.30 से 11.30 तक, 12.00 बजे दोपहर से 2.30 बजे तक, शाम 4.00 बजे से शाम 6.00 बजे तक, शाम 6.30 से शाम 8.00 बजे तक जब आसानी से बच्चों की जान पर मंडराए ख़तरे को खुली आँखों से देखा जा सकता है। पहचान नहीं बताने, नाम व फ़ोटो नहीं छापने की शर्त पर हिलव्यू समाचार की टीम को स्थानीय पीड़ित रहवासियों व राह से गुज़रने वाले लोगों ने बताया कि...

- इस प्राइम टाइम के दौरान हज़ारों बच्चे कोचिंग्स में आते और कोचिंग्स से छूटते हैं। मुख्य मार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध हो जाता है। तेज़ दौड़ते वाहनों में अपनी जान पर खेलते बच्चे सड़क पार करते आसानी से देखे जा सकते हैं।
- शराब की दुकानों का इस शैक्षणिक माहौल में चलना बेहद निंदनीय है।
- बड़े लड़कों को लड़ते-झगड़ते,मंडलियों में घूमते और माहौल बिगाड़ते हुए आसानी से देर शाम व रात को देखा जा सकता है।
- इन कोचिंग्स संस्थानों की वजह से आसपास के आवासीय भवनों में ढेरों होस्टल और पीजी पनप गए हैं जो कि आसपास के अन्य लोगों का सरदर्द बन गए हैं।
- सामान्य जनजीवन बेहद प्रभावित हो रहा है लेकिन कहने-सुनने वाला कोई नहीं।
- प्रभावशाली लोगों से दुश्मनी मोल लेने की हिम्मत आम आदमी नहीं कर सकता इसीलिए सिर्फ़ सहना आदत बन चुकी है या ज़्यादा से ज़्यादा मकान बेचकर कहीं और जाना ही समाधान निकाल लिया है।

आखिर क्यूं?

सबसे बड़ी बात कि गोपालपुरा बाईपास पर एक साथ चल रहे हैं शिक्षण संस्थान व शराब के प्रतिष्ठान?*

क्या देश की भावी पीढ़ी यानी विद्यार्थियों को यह वातावरण देना शर्मिंदगी का विषय नहीं सरकार के लिए? आख़िर क्यों?

कोचिंग संस्थानों के आसपास शराब की दुकानें, जाम होता ट्रैफ़िक और बढ़ रही आपराधिक गतिविधियाँ क्या जेडीए को नज़र नहीं आ रही बिल्डिंग्स व कोचिंग बायलॉज के हिसाब से सबको नोटिस की बजाय कमर्शियल पट्टे बाँटने की तैयारी किस आपसी समझ और मिलीभगत के तहत कर रहा है जेडीए।

कहाँ हैं बिल्डिंग्स व कोचिंग संस्थान के बायलॉज

- सुप्रीम कोर्ट 2016 के आदेशानुसार कमर्शियल या इंस्टयूशनल एरिया होना ज़रूरी है।
- फायर के पुख्ता इंतज़ाम ज़रूरी है।
- पार्किंग की व्यवस्था सुव्यवस्थित होना आवश्यक है।
- कमर्शियल भवन आने-जाने के अलग-अलग द्वार होना अनिवार्य है।
- बिल्डिंग बायलॉज अनुसार हर बिल्डिंग का सेटबैक छोड़कर निर्माण होना ज़रूरी है।
- स्टूडेंट की सीट सीमा निर्धारित होना आवश्यक है।

स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल क्यों इन कोचिंग संस्थानों को जेडीए से नोटिस जारी नहीं करवा रहे, गोपालपुरा बायपास से प्रतापनगर कोचिंग हब में शिफ़्ट होने का।

ये अवैध कोचिंग सेंटर यहाँ से हटेंगे तो राजस्थान हाउसिंग बोर्ड द्वारा डवलप किये जाने वाला कोचिंग हब ई-ऑक्शन में 500-700 करोड़ रुपए में बिक सकेगा। इससे राजकोष को भारी फ़ायदा हो सकेगा। इस दौरान लॉटरी से 55 करोड़ का राजस्व मिल सका है किंतु ई-ऑक्शन से दोगुने-तिगुने दाम मिल सकते हैं।

मज़ेदार बात ये है कि जेडीए व आवासन मंडल दोनों स्वायत्त शासन विभाग व मंत्री शांति धारीवाल के अधिकार क्षेत्र में आते हैं फिर क्यों स्वायत्त शासन मंत्री अपने विभाग में 500-700 करोड़ रुपए का नुक़सान होता हुआ देख रहे हैं?

गोपालपुरा बाईपास हो या टोंक रोड़ यहाँ चलते बड़े-बड़े कोचिंग इंस्टीट्यूट्स करोड़ों अरबों के व्यापारी वर्ग हैं। सपने ख़रीदते ये कोचिंग संस्थान देश की सेवार्थ नहीं बल्कि अपने अर्थ यानी पैसे के लिए काम करते हैं। जेडीए या नगर निगम जिसके भी अधिकार में जो एरिया आता है वो इन कोचिंग संस्थानों पर उदारता बरसाने के बजाए आदेश नोटिस जारी करे कि यह इंस्टिट्यूट्स केवल और केवल कमर्शियल बिल्डिंग्स व कमर्शियल एरिया में ही चलाए जा सकते हैं और वह कॉमर्शियल एरिया शहर के मुख्य मार्गों व बेहद व्यस्त आवागमन के एरिया में नहीं होना चाहिए अन्यथा बन्द करवा दिए जाएंगे।तब कहीं जाकर शहर को व्यवस्थित किये जाने की ओर एक क़दम बढ़ाया जा सकता है। गोपालपुरा बायपास को आदर्श बनाने के लिए अवैध निर्माणकर्ताओं को पालने पोसने की कोई आवश्यकता नहीं न ही एक वक्त बाद उन पर किसी स्पेशल प्रोजेक्ट के तहत उदारता बरसाने की आवश्यकता है।

प्लॉट नंबर 497, गोपालनगर,गोपालपुरा बायपास पर खड़ी होटल ग्रेंड सफ़ारी पर क्या बिल्डिंग बायलॉज के नियम लागू नहीं होते?

सर्जन्स एन्क्लेव, B-293,10 बी स्कीम,गोपालपुरा बायपास पर किस अधिकार से इस भवन के मालिकों ने मुख्य सड़क को ख़ुद की निजी पार्किंग के लिए रिज़र्व कर लिया है और रिज़र्व के 3-4 बोर्ड सड़क पर लगा दिए हैं। जेडीए प्रवर्तन शाखा कहाँ सो रही हैं?

प्लॉट नंबर 420, गोपालपुरा बायपास पर सीना ताने खड़ी होटल सफ़ारी & रेस्टोरेंट। क्या बिल्डिंग बायलॉज के दायरे से बाहर है?

प्लॉट नंबर S-58 का ये लंबी-चौड़ी अवैध बिल्डिंग जेडीए की निग़ाहों में क्यों नहीं जो आधी सड़क को पार्किंग के नाम पर घेरे रहती है और बिल्डिंग बायलॉज से कोसों दूर है?

ग्रैंड सफ़ारी के पास प्लॉट नंबर 595, गोपालनगर,गोपालपुरा बायपास क्या यह जेडीए की प्रवर्तन शाखा की नज़रों से ओझल हो गया है?

गोपालपुरा बायपास यह अवैध बिल्डिंग नज़र में नहीं आ रही जेडीए को ?

गोपालपुरा बायपास मुख्यमार्ग को आदर्श बनाने व कोचिंग संस्थान मुक्त करवाने की इस मुहिम में अपनी सकारात्मक सहमति देने के लिए अपना वोट मैसेज द्वारा या व्हाट्सएप द्वारा 9460079061 पर अवश्य भेजें। आपकी पहचान व नंबर गुप्त रखे जाएंगे।

adarshgopalpurabypass_Yes

असहमति दर्ज करने पर यस के स्थान पर NO टाइप करें।

विपक्षी एकता की न पकने वाली खिचड़ी

सम्पादकीय

बिना वैकल्पिक एजेंडे के कैसे जीतेंगे देश का भरोसा

बिहार में नीतीश कुमार के पाला बदलने के साथ ही विपक्षी एकता के अभियान को फिर से धार देने के प्रयास हो रहे हैं। जद-यू नेता तो नीतीश कुमार को पीएम पद का पात्र बताने में लगे ही हुए हैं, राजद नेता और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी उनकी पैरवी कर रहे हैं। तेजस्वी यादव यही चाहेंगे कि नीतीश कुमार जितनी जल्दी संभव हो, पीएम पद की दौड़ में शामिल हों और मुख्यमंत्री की कुर्सी पर उन्हें बैठने का अवसर मिले।

यह अवसर उन्हें मिलना भी चाहिए, क्योंकि राजद बिहार का सबसे बड़ा दल है। जद-यू नेता नीतीश कुमार को पीएम पद के लिए गुणवान बताने के साथ यह भी कहने में लगे हुए हैं कि वह भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों को एकजुट करने का काम करेंगे। कठिनाई यह है कि जद-यू और राजद के अलावा अन्य कोई प्रमुख दल न तो इस पर उत्साह दिखा रहा है और न ही यह कहा रहा है कि नीतीश कुमार नरेन्द्र मोदी को चुनौती देने में सबसे समर्थ नेता होंगे। नीतीश बिहार के बड़े नेता अवश्य हैं, लेकिन अब उनकी छवि सुशासन बाबू की नहीं रही। जब तक जद-यू का राजद में विलय नहीं हो जाता, तब तक यकीन के साथ यह भी नहीं कहा जा सकता कि वह फिर से पालाबदल नहीं करेंगे।

एक वक्त था जब गुजरात माडल के जवाब में बिहार माडल का बखान होता था, लेकिन अब तो खुद नीतीश कुमार भी अपने गवर्नेंस माडल के बारे में बात नहीं करते। क्यों नहीं करते, यह वही जानें, लेकिन यह सबको और विशेष रूप से राज्य की जनता को भी पता है कि बिहार विकास के पैमानों पर अन्य राज्यों से पीछे है। जद-यू और राजद के नेता कुछ भी कहें, बिहार के महागठबंधन में शामिल कांग्रेस भी नीतीश को पीएम पद लायक कहने से बच रही है। कांग्रेस से ऐसी आशा भी नहीं की जानी चाहिए, क्योंकि यदि नीतीश पीएम पद के प्रत्याशी बनेंगे तो फिर राहुल गांधी क्या करेंगे?

गांधी परिवार से जबसे केंद्र की सत्ता छिनी है, तबसे वह यह माने बैठा है कि इस देश पर शासन करना उसका जन्मसिद्ध अधिकार है। यदि किसी मजबूरी और विशेष रूप से नरेन्द्र मोदी को सत्ता से हटाने की चाह में कांग्रेस नीतीश के पीछे खड़ी हो जाती है, तो भी इसकी गारंटी नहीं कि ममता बनर्जी, के. चंद्रशेखर राव, शरद पवार आदि उन्हें पीएम बनाने के लिए एकजुट हो जाएं। यदि ये नेता भी किसी विवशता में नीतीश को समर्थन देने के लिए तैयार हो जाएं तो भला अरविंद केजरीवाल ऐसा क्यों करेंगे? पंजाब विधानसभा चुनाव जीतने के बाद से ही आम आदमी पार्टी अरविंद केजरीवाल को मोदी को सबसे प्रबल चुनौती देने वाले नेता के तौर पर पेश कर रही है। अब तो मनीष सिसोदिया ने साफ तौर पर कह दिया है कि 2024 का आम चुनाव मोदी बनाम केजरीवाल होगा। भारत की राजनीति में कुछ भी हो सकता है, लेकिन यह याद रहे कि फिलहाल आम आदमी पार्टी का एक भी सदस्य लोकसभा में नहीं है। वह भगवंत सिंह मान के इस्तीफे से खाली हुई संगरूर लोकसभा सीट भी नहीं बचा सकी।

2024 के लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी चाहे जितनी सीटें जीत ले, इसके आसार न के बराबर हैं कि अन्य विपक्षी दल केजरीवाल को प्रधानमंत्री बनाने के लिए आगे आएंगे। विपक्षी एकता के ऐसे धूमिल परिदृश्य के बाद भी यह तय है कि विपक्ष को एकजुट करने की बातें भी होती रहेंगी और पहल भी। वास्तव में इस तरह की पहल सदैव होती रहती है। बहुत दिन नहीं हुए जब ममता बनर्जी विपक्षी दलों को एकजुट करने के अभियान पर निकली थीं, लेकिन अब वह न केवल निष्क्रिय हैं, बल्कि उन्होंने पहले राष्ट्रपति चुनाव और फिर उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी एकता को कमजोर करने का काम किया। राष्ट्रपति के प्रत्याशी यशवंत सिन्हा को उन्होंने बंगाल आने से रोक दिया और उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष की प्रत्याशी को समर्थन देने से मना कर दिया।

ममता के बाद तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने विपक्ष को एक करने का अभियान शुरू किया, लेकिन वह नाकाम रहा और अब वह भी करीब-करीब निष्क्रिय हैं। एक समय विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश शरद पवार ने भी की थी, लेकिन बात नहीं बनी। रही-सही कसर महाविकास आघाड़ी सरकार के पतन ने पूरी कर दी। विपक्षी दलों को एकजुट करने की नाकाम कोशिश प्रशांत किशोर भी कर चुके हैं। अब वह अपनी जन सुराज यात्रा में व्यस्त हैं।

राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं, लेकिन विपक्षी एकता न पकने वाली खिचड़ी इसलिए है, क्योंकि आज न तो कोई जयप्रकाश नारायण है, न हरिकिशन सिंह सुरजीत और न ही वीपी सिंह। अब जो भी विपक्षी नेता विपक्ष को एकजुट करना चाह रहा है, वह प्रधानमंत्री बनने के सपने देख रहा है। इसमें कोई बुराई नहीं। यह सपना देखने का अधिकार हर नेता को है, लेकिन जो दल मोदी सरकार को हटाने के लिए सक्रिय हैं, वे यह नहीं बता पा रहे कि वह इस सरकार को हटाने और केंद्र की सत्ता पाने के बाद करेंगे क्या?

इससे कोई इन्कार नहीं कर सकता कि देश में महंगाई, बेरोजगारी जैसी तमाम समस्याएं हैं, लेकिन कोई विपक्षी दल यह बताने की स्थिति में नहीं कि वह इन समस्याओं से कैसे पार पाएगा? वादे करना अलग बात है और उन्हें पूरा करना अलग बात। इसे इससे समझा जा सकता है कि दस लाख सरकारी नौकरियां देने के अपने चुनावी वादे पर तेजस्वी यादव अगर-मगर कर रहे हैं। स्पष्ट है कि बिना वैकल्पिक एजेंडे, देश का भरोसा जीतने वाले समर्थ चेहरे और ठोस विमर्श के विपक्षी एकता संभव नहीं।

कैसा हो मेकअप जब आंखों पर लगा हो चश्मा

BEAUTY जोन

तो काला चश्मा लगाने के लिए लड़कियां हर पल बेकरार रहती हैं लेकिन जब आंखों पर नजर का चश्मा लग जाता है तो वह दुखी हो जाती हैं, क्योंकि तब उन्हें लगता है अब उनके मेकअप करने या न करने का क्या फायदा, चेहरे की सारी खूबसूरती तो चश्मे ने ही खराब कर दी है.

कोई लड़की चश्मा लगाने के बाद ज्यादा सुंदर लगती है, क्योंकि उसके चेहरे पर चश्मा सूट कर रहा होता है. ठीक यही बात मेकअप पर भी लागू होती है. आप चाहे चश्मा लगाती हों या न लगाती हों, लेकिन मेकअप करने से तो फर्क पड़ता ही है.

▮ आंखों में नजर का चश्मा लग जाए तो कभी इस बात को लेकर दुखी नहीं होना चाहिए कि इससे आप कम खूबसूरत लगेंगी. याद रखिए, मनोविद कहते हैं कि चश्मे वाली लड़कियां, गैर चश्मे वाली लड़कियों के मुकाबले 10 फीसदी जयादा अटेंशन पाती हैं. हां, यह भी सच है कि कई बार खूबसूरत आंखें चश्मे के पीछे छुप जाती हैं. लेकिन अगर सजग होकर कलात्मक ढंग से मेकअप किया जाए तो आंखें नहीं छुपेंगी, बल्कि ज्यादा खूबसूरत दिखेंगी.

▮ इस बात को भी समझिए कि यदि आपकी आंखों में नजर का चश्मा चढ़ चुका है तो यह आसानी से उतरने वाला नहीं है. इसके साथ ही आपको जीना सीखना होगा. तो क्यों न इसके साथ बेहतर दिखना भी सीख लें. इसमें भी आपकी मदद मेकअप ही करेगा.

ऐसा हो आईलाइनर

अगर आपकी आंखों में नजदीक की नजर का चश्मा लगा है तो लोअर वाटर लाइन पर व्हाइट या बेज कलर का लाइनर लगाएं. इससे आंखें बड़ी लगती हैं. वैसे चश्मा लगाने वाली लड़कियों के लिए आईलाइनर का एक सीधा सा फार्मूला होता है. आपके चश्मे का फ्रेम जितना मोटा हो, आईलाइनर भी उतना ही मोटा होना चाहिए. चाहे तो बिंग्स लाइनर भी लगा सकती हैं. रंग कोई भी हो सकता है, काला, बरगंडी या ब्रांज, अगर सही से लगाया जाए तो इन सभी कलर से आंखें खिल उठती हैं.

नोज पैड के निशान का ध्यान रखें

जब हम कई वर्षों तक लगातार चश्मा पहनते हैं तो नाक के आगे की ओर दोनों तरफ गहरे निशान पड़ जाते हैं, इसे नोज पैड कहते हैं. कई बार तो यह निशान इतने तीखे होते हैं कि आंख से चश्मा हटाते ही नंगा चेहरा डरावना सा दिखता है. मतलब यह कि अगर ये पता है कि रोज चश्मा पहनना है तो यह बात भी जान लें कि ऐसा क्या उपाय करें जिससे नाक के दोनों तरफ चश्मे के गड्ढे न बनें. लेकिन अगर नोज पैड के दोनों तरफ निशान पड़ ही गए हैं तो मेकअप करते समय इन्हें ब्यूटी बाम, बीबी क्रीम या फाउंडेशन से हर हाल में छिपा लें, वरना सारे मेकअप की ऐसी की तैसी हो जाएगी.

आई सर्कल को कंसीलर से कवर करें

ये न सोचें कि चश्मा लगा है तो आई सर्कल को कंसीलर से कवर करने की क्या जरूरत है? जरूरी ही नहीं, यह बहुत जरूरी है. डार्क आई सर्कल को छुपाने के लिए अच्छे ब्रांड के ब्राइट आई कंसीलर को लगाकर पाउडर से सेट करें.

▮ अगर चश्मा लगाती हैं तो कभी भी ब्लशर का इस्तेमाल करना न भूलें. लाइट पिंक ब्लशर लगाने से फेस में कुछ अलग तरह की ही साइन आती है. इससे चिक बोन्स भी तरोताजा दिखती है.

▮ अगर नियमित रूप से चश्मा लगाती हैं तो आइब्रो की ग्रोथ पर ध्यान रखें. निश्चित समय पर आइब्रो को सेट कराएं, इससे आंखों में सजीव चमक दिखेगी, वर्ना खाली-खाली दिखेगा.

FASHION जोन

बना रहेगा स्टाइल स्टेटमेंट

बारिश के मौसम में आपका सारा स्टाइल स्टेटमेंट बिगड़ जाता है. बरसात में क्या पहनकर ऑफिस जाएं, ये एक चुनौती बन जाती है. इन सुझावों को अपनाकर आप अपना स्टाइल स्टेटमेंट बनाए रख सकती हैं. इस सीजन में कलर्ड पैंट और कलर्ड बॉटम इन हैं. इसके अलावा सॉफ्ट कलर के शर्ट और ब्लाउज, कैजुअल और फॉर्मल जैकेट जो आप अपने ड्रेस के साथ पहन सकें, अपने वार्डरोब में शामिल करें.

★ कुछ प्रिंटेट ड्रेसेस और जैकेट अपने वार्डरोब में रखें. इसे आप जब चाहें, बाहर जाने के दौरान पहन सकती हैं.

★ बारिश में ऐसे शूज का चुनाव करें जो आपके पैरों को बरसात में जमा होने वाले पानी से सुरक्षित रख सकें. अगर आप लेदर के शूज पहन रहे हैं तो इस बात का ख्याल रखें कि वह पानी में भीगे नहीं.

★ इस मौसम में शॉर्ट को ज्यादा तरजीह दें. यह बरसात में कंफर्टेबल भी है. हमेशा सिंथेटिक ब्लेंड्स फैब्रिक के शॉर्ट ही चुनें. यह गीले होने पर जल्द ही सूख जाते हैं. लाइट फैब्रिक के शॉर्ट का चुनाव न करें.

★ अगर आप रेनकोट पहनने से बोर हो गए हैं तो ट्रेंच कोट ट्राई करें. यह इमर्जिंग ट्रेंड पिछले कई वर्षों से भारत में जोर पकड़ रहा है. यह कई तरह के डिजाइन और कलर में उपलब्ध है. यह न सिर्फ आपके स्टाइल को खूबसूरत बनाता है, बल्कि आपको मौसम की मार से भी प्रोटेक्ट करता है.

★ अपने मानसून आउटफिट को कंप्लीट लुक देने के लिए परफेक्ट एक्सेसरीज का चुनाव करें. बैग्स के लिए ब्राइट कलर्स के प्लास्टिक टोटे और स्लिंग बैग्स आपके लिए बेहतरीन हैं.

★ बरसात में शूज या गम बूट्स आपको गंदे पानी से बचाते हैं. कलरफुल ट्रेंडी फ्लिप फ्लॉप्स, लोफेर्स, जेली शूज या कमीज आपके लुक को सुपर कूल बनाएंगे.

DIET मैजिक

औषधीय गुणों से भरपूर दालचीनी

हमारी रसोई में पाई जाने वाली दालचीनी प्राकृतिक गुणों से भरपूर होती है, जिसके कारण इसका उपयोग रसोई के गरम मसालों के साथ-साथ औषधि के रूप में किया जाता है. यह रसोई में पाया जाने वाला एक ऐसा मसाला है जिसका इस्तेमाल कई तरह से किया जाता है. दालचीनी में प्राकृतिक रूप से शर्करा की मात्रा पाई जाती है जो मधुमेह लोगों के लिए काफी फायदेमंद होती है. गरम मसालों और औषधि के रूप में इस्तेमाल होने वाली दालचीनी रक्तचाप को स्थिर रखने में फायदेमंद है. साथ ही में ये रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने के साथ कोलेस्ट्रॉल की समस्या, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, कैंसर, पीसीओ, अल्सर, योनि खमीर संक्रमण,जैसी बीमारियों को दूर करने में काफी मदद करता है. इसके साथ ही शरीर में होने वाले घाव को शीघ्र ही स्वस्थ कर उसे पूरी तरह से भर देता है.

दालचीनी का उपयोग

ये रसोईघर का ऐसा मसाला है जिसका उपयोग कई तरह से किया जा सकता है. दालचीनी दुनिया भर में शेफ स्वाद को बढ़ाने के काम आती है. दालचीनी एक ठोस लकड़ी की तरह होती है. इसको पीसकर या फिर इन लकड़ियों को आप ऐसे भी तड़के में डाल सकते हैं. इसे आप लंबे समय तक न रखें या फिर एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करके रखें. काफी लंबे समय तक इसका उपयोग करने से यह चिपक जाती है, इसलिए यह जितनी जल्दी हो सके, इसका उपयोग कर लें.

BEAUTY टिप्स

★ दांतों पर पीलापन हो तो बेकिंग सोडा से कभी-कभार पेस्ट करें. इसके अलावा दांतों पर नींबू के छिलके रगड़े जा सकते हैं. धीरे-धीरे अंगुलियों से मंजन करें.

★ मौसम के बदलते ही होंठ अक्सर पपड़ीदार हो जाते हैं. ऐसे में नारियल तेल से होंठों को मॉइश्चराइज करें, तत्पश्चात कोल्ड क्रीम या मलाई लगा लें. नाभि में तेल या घी लगाने से भी होठों पर फर्क पड़ता हैं.

★ मुंहासों से छुटकारा पाने के लिए चेहरे को माइल्ड क्लींजर से साफ करते रहें. मुंहासों पर मुल्तानी मिट्टी (केवल उसी जगह) लगाकर कुछ घंटे छोड़ दें. मुल्तानी मिट्टी तेल सोख लेती है और मुंहासे की सूजन कम हो जाती है. इससे त्वचा पर दाग भी नहीं रहता. ध्यान रखें, मुंहासे फोड़ें नहीं, न अनावश्यक उसे हाथ लगाएं.

HEALTH जोन

प्रेगनेंसी में जब करनी हो ट्रैवलिंग

किसी भी महिला के लिए गर्भ धारण करना एक सुखद पल होता है. इस दौरान उसे कई सावधानियां भी बरतनी पड़ती हैं, खासकर कहीं घूमने जाते समय. अक्सर यात्रा को लेकर गर्भवती महिलाएं दुविधा में रहती हैं, लेकिन थोड़ी सावधानी बरतकर आप प्रेगनेंसी में भी ट्रैवल कर सकती हैं.

▮ प्रेगनेंसी में शुरुआती 3 महीने और लास्ट के 3 महीने सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होते हैं. इस दौरान सफर करने से बचना चाहिए. शुरुआती महीनों में मिसकैरिज का खतरा बहुत ज्यादा होता है. पहले तीन महीनों के बाद वोमेटिंग की प्रॉब्लम भी कम हो जाती है.

▮ ट्रैवलिंग गर्भवती महिला की डाइट तथा व्यायाम के रूटीन को प्रभावित करती है. एक गर्भवती महिला को ट्रैवलिंग के दौरान स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक भोजन, सही प्रकार से आराम व खूब सारे फ्लूइड्स तथा लाइट एक्ससाइज भी जरूरी होती है.

▮ वैसे तो प्रेगनेंसी के दौरान हवाई यात्रा सुरक्षित नहीं होती लेकिन किन्हीं कारणों से यदि आपको हवाई यात्रा करनी पड़े तो आपको गर्भावस्था के 14 – 28 सप्ताहों के बीच में ही यात्रा करनी चाहिए. लेकिन उसके पहले अपने डाक्टर की सलाह लेना कभी न भूलें.

▮ गर्भवती महिलाओं में सफर के दौरान जी मिचलाना और उल्टी आना आम शिकायत है. दरअसल, गर्भावस्था के दौरान शरीर में कुछ ऐसे हार्मोन बढ़ जाते हैं जो जी मिचलाने के लक्षणों से लड़ने की शरीर की क्षमता को कम कर देते हैं.

▮ ट्रैवलिंग उन महिलाओं के लिए नुकसानदेह हो सकती है, जिनकी प्रेगनेंसी हाई रिस्क पर हो.

KITCHEN टिप्स

◗ मलाई से ज्यादा मात्रा में घी निकालने के लिए उसमें बर्फ डालकर मिक्सी में चलाएं, इससे सारा मक्खन अलग होकर ऊपर आ जाएगा और मट्ठा नीचे रह जाएगा. इस मट्ठे या छाछ का इस्तेमाल आप रवा इडली का बैटर बनाने के लिए कर सकते हैं.

◗ इंस्टेंट क्रिस्पी पोटैटो चिप्स बनाने के लिए आलू के पतले स्लाइस काटकर इन्हें बर्फ वाले पानी में थोड़ी देर के लिए रख दें और उसके बाद फ्राय करें.

◗ लौकी का कोफ्ता या हलवा बनाने के लिए इसे कद्दूकस करने के बाद जो पानी निकले, उससे आटा गूंथ लें. इससे परांठे न सिर्फ सॉफ्ट और टेस्टी

TODAY'S रेसिपी

गार्लिक ब्रेड

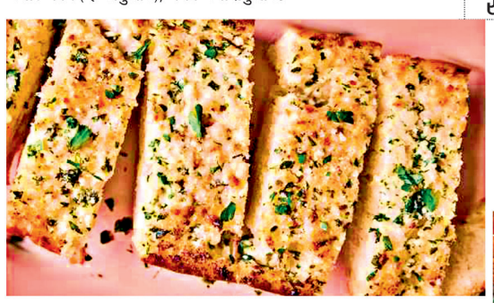

सामग्री– मक्खन, लहसुन की कलियां (बारीक कटी हुई), चिली फ्लेक्स, इटैलियन सीजनिंग या ओरिगैनो, ब्रेड स्लाइस, चीज स्लाइस, स्वीट कॉर्न (इच्छानुसार), नमक स्वादानुसार.

विधि – एक कटोरी में मक्खन लें और उसे पिघला लें. अब पिघले हुए मक्खन में बारीक कटा लहसुन डालकर अच्छे से चलाएं और थोड़ी देर के लिए अलग रख दें. इस तैयार किए गए गार्लिक बटर में चिली फ्लेक्स और ओरिगैनो डालें. उसके बाद गार्लिक बटर को ब्रेड स्लाइस पर अच्छे से लगाएं और ऊपर से स्वीट कॉर्न डालें. अब उसके ऊपर चीज स्लाइस रखें और तवे पर सेंकने के लिए रख दें. (ध्यान रहे कि इसे करारा बनाने के लिए आप इसे धीमी आंच पर ही सेंकें.

साबूदाना डोसा

सामग्री– 1 कप साबूदाना, 2 बड़े चम्मच दही, 1/2 कप सवां के चावल (भगर), नमक आवश्यकतानुसार.

विधि– साबूदाना को 4 घंटे के लिए और चावल को लगभग 30 मिनट के लिए भिगो दें. एक ब्लेंडर में भीगे हुए साबूदाना, भगर, दही और थोड़ा पानी डालें. गाढ़ा पेस्ट बनाने के लिए ब्लेंड करें. स्वादानुसार नमक डालें और अच्छी तरह फेंटें. मध्यम आंच पर एक तवा गरम करें. अब एक नॉन स्टिक तवे पर तेल की कुछ बूंदें डालें और 2 टेबल स्पून पानी डालें. कपड़े से हल्के हाथों से पोंछ लें. तवे पर 2 चम्मच घोल डालें और पतली परत बनाने के लिए गोलाकार गति में फैलाएं. दोनों तरफ से सुनहरा और क्रिस्पी होने पर साबूदाना डोसा परोसने के लिए तैयार है.

कोंकणी स्टाइल राइस फेनी

सामग्री– 2 बड़े चम्मच बासमती चावल, 1 बड़ा चम्मच जीरा, 2 चम्मच रिफाइंड तेल, 3 हरी मिर्च, आवश्यकता अनुसार नमक.

विधि– सबसे पहले आप चावल को एक दिन के लिए पानी में भिगो दें. अब चावल को हरी मिर्च, जीरा और नमक के साथ मिक्सी में पीस लीजिए. इसे ठीक से मिलाएं. अब एक इडली कंटेनर का प्रयोग करें और सभी माउल्ड को तेल से चिकना कर लें. ... के लिए स्टीम करें, जैसे आप इडली को स्टीम करते हैं. पक जाने के बाद राइस फेनी को निकालिए और अचार तथा दही के साथ परोसिये. आप चाहें तो इसके साथ छोटे-छोटे प्याज भी चॉप करके खा सकते हैं. प्याज के साथ

खीरा-चना बोट चाट

सामग्री – खीरा, प्याज, टमाटर, अनार, उबले आलू, उबले चने, धनिया पत्ती, हरी मिर्च, नींबू का रस, सफेद नमक, काला नमक, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर, हरी चटनी, सेव.

विधि– खीरा को अच्छे से धोएं और फिर लंबाई में बीच से काटें. एक चम्मच की मदद से खीरे के बीज को निकाल लें और एक तरफ रखें. उबले आलू, प्याज, टमाटर को बारीक काट लें. इसी के साथ अनार के दाने निकालकर अलग रखें. अब एक बर्तन में चना लें, फिर इसमें बारीक कटे प्याज, टमाटर, उबले आलू डालें. बारीक कटा हरा धनिया व हरी मिर्च भी डालें और फिर अच्छे से मिक्स करें. इसमें हरी चटनी, सफेद नमक, काला नमक, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर मिक्स करें. अनार के दाने डालें और अब इस चाट को कटे हुए खीरे में डालें और

एक नज़र

मिशन जैविक राजस्थान का ज्ञापन राजे को भी सौंपा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। भारतीय जैविक किसान उत्पादक संघ पिछले कई वर्षों से सम्पूर्ण राजस्थान को जैविक राज्य बनाने की मुहिम पर कार्य कर रहा है। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अतुल गुप्ता ने बताया कि उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को मिशन जैविक राजस्थान का ज्ञापन सौंपा है और मांग की है कि आपके घोषणा पत्र में जैविक राजस्थान की बात ज़रूर होनी चाहिए। डॉ. गुप्ता ने कहा कि राजस्थान प्रदेश को जैविक प्रदेश घोषित करने की मांग तेज होगी और केंद्र से तथा राज्य से संवाद कायम किया जाएगा। मिशन 2030 राजस्थान संपूर्ण जैविक प्रदेश होगा।इस दौरान हैनिमैन चेरेटिबल मिशन सोसाइटी की सचिव मोनिका गुप्ता, भारतीय जैविक महिला किसान उत्पादक संघ की अध्यक्ष संगीता गौड़ और मै हूँ किसान कृषि पत्रिका के सह सम्पादक गुरजंत धारिवाल उपस्थित रहे।

स्मार्ट वाटर सप्लाई सिस्टम के लिए अवॉर्ड

अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंच रहा है योजनाओं का लाभ: महेश जोशी

हिलव्यू समाचार

नई दिल्ली में गुरुवार को आयोजित तीसरे डिजिटेक कॉन्क्लेव-2022 में राजस्थान को आईओटी आधारित स्मार्ट वाटर सप्लाई मॉनिटरिंग सिस्टम लगाने में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए अवॉर्ड प्रदान किया गया। जलदाय मंत्री महेश जोशी ने यह अवॉर्ड ग्रहण किया।

इकॉनोमिक टाइम्स डिजिटेक कॉन्क्लेव-2022 को संबोधित करते हुए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री जोशी ने कहा कि राजस्थान जैसे प्रदेश की विषम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण पेयजल प्रबंधन के क्षेत्र में प्रदेश को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों में डिजिटल टेक्नोलॉजी, आईटी एवं कम्प्यूटर का उपयोग अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए किया जा रहा है।

जोशी ने कहा कि राजस्थान ने डिजिटल टेक्नोलॉजी का प्रयोग करते हुए पायलट प्रोजेक्ट के तहत सर्वाधिक गांवों में आईओटी आधारित स्मार्ट वाटर सप्लाई मॉनिटरिंग सिस्टम स्थापित किए हैं।

जयपुर जिले के 15 गांवों में पायलट प्रोजेक्ट

जल जीवन मिशन में पायलट प्रोजेक्ट के तहत चयनित जयपुर जिले के 15 गांवों में नलों के माध्यम से पेयजल आपूर्ति की रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) आधारित स्मार्ट वाटर सप्लाई मॉनिटरिंग सिस्टम लगाए गए हैं। इस सिस्टम में पेयजल आपूर्ति की लाइन की शुरुआत, पाइप लाइन के ब्रांच नोड एवं टेल नोड पर सेंसर्स लगाए गए हैं। इन सेंसर्स को इंटरनेट से जोड़ा गया है। इंटरनेट के माध्यम से सेंसर्स द्वारा एकत्र डेटा का आदान-प्रदान एवं मॉनिटरिंग की जाती है। सेंसर्स के माध्यम से यह भी जानकारी मिलती है कि टंकी का पानी शुद्ध है एवं उसमें किसी तरह का कंटेमिनेशन नहीं है। साथ ही टेल एंड के उपभोक्ता को जो पानी मिल रहा है उसका प्रेशर कितना है, फ्लो कैसा है, पीएच वैल्यू, टीडीएस, क्लोरीन एवं फ्लोराइड कितनी मात्रा में है इसका डेटा भी सेंसर्स से प्राप्त होता है।

गुलाम नबी आज़ाद के कांग्रेस छोड़ने के बाद, एक बार फिर उठा सवाल, कि एक एक कर कद्दावर नेता कांग्रेस क्यों छोड़ रहे हैं ?

देवेंद्र यादव

शुक्रवार 26 अगस्त का दिन, राजनैतिक गलियारों और मीडिया में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आज़ाद के द्वारा श्रीमती सोनिया गांधी को लिखी गई अपने इस्तीफे की चिट्ठी चर्चा का विषय बनी और गलियारों को गरमा दिया। सवाल उठने लगे कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एक एक कर कांग्रेस को क्यों छोड़ते जा रहे हैं ? गुलाम नबी आज़ाद कितने बड़े नेता थे, इसकी बानगी उस समय देखने को मिली जब कांग्रेस भाजपा और नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने आज़ाद के इस्तीफे पर अपनी प्रतिक्रिया दी !

पिछले 8 साल में जब भी कांग्रेस के किसी बड़े नेता ने कांग्रेस का दामन छोड़ा, तब देश के राजनीतिक पंडित नेताओं के कांग्रेस छोड़ने कांग्रेस का नफा और नुकसान ढूंढने लगते हैं ?

कुछ ऐसा ही गुलाम नबी आज़ाद के कांग्रेस छोड़ने के बाद दिखाई और सुनाई दिया। 8 साल से कांग्रेस देश की सत्ता से बाहर है, और गुलाम नबी आज़ाद इस्तीफा देने से पहले 8 साल तक कांग्रेस में ही थे तब गुलाम नबी आज़ाद के कांग्रेस में रहने से कांग्रेस को क्या फायदा हुआ जो अब गुलाम नबी आज़ाद के कांग्रेस से बाहर

होने से नुकसान हो जाएगा ? यह समझने वाली बात है, इस पर राजनीतिक पंडित और विश्लेषक इमानदारी से विश्लेषण नहीं करते हैं ? जहां तक कांग्रेसी नेताओं के एक के बाद एक कांग्रेस छोड़ने की बात है, तो कांग्रेस के लिए यह कोई बड़ी बात नहीं है इससे पहले भी कई बार कांग्रेस के ऐसे दौर आए हैं जब कांग्रेस के कद्दावर और जनता के बीच प्रभावशाली नेताओं ने कांग्रेस को छोड़ा था, लेकिन उन नेताओं के कांग्रेस को छोड़ने के बाद कांग्रेस खत्म नहीं हुई बल्कि जिन नेताओं ने कांग्रेस को छोड़ा था उन नेताओं का राजनीतिक अस्तित्व ही खत्म हो गया था ! पिछले 8 साल में जिन नेताओं ने कांग्रेस को छोड़ा उनसे पहले उन नेताओं ने कांग्रेस को छोड़ा था जिन नेताओं का देश की जनता के बीच अपना स्वयं का प्रभाव था, मगर कांग्रेस से बाहर निकलने के बाद उन नेताओं का आज कोई नाम लेने वाला भी राजनीतिक गलियारों में नहीं बचा है !

1977 में कॉन्ग्रेस को छोड़ने वाले वह नेता शामिल थे जिन्होंने देश की आज़ादी से लेकर आज़ादी के बाद देश के नवनिर्माण में अपना बड़ा योगदान दिया था लेकिन 1977 में उनमें से कई नेताओं ने कांग्रेस छोड़कर जनता पार्टी बना ली वह 1977 में श्रीमती इंदिरा गांधी और कांग्रेस को हराने में कामयाब तो हो गए लेकिन पूरे 5 साल तक सरकार नहीं चला पाए और ढाई साल में ही सरकार गिर गई और श्रीमती इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने फिर से अपनी सरकार बनाई ! कुछ ऐसा ही दोर 1989 में आया, जब कांग्रेस के दिग्गजों ने कांग्रेस छोड़कर कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़ा और चुनाव में वह सफल भी हुए सरकार भी बनाई मगर उस सरकार का हर्ष भी 1977 की जनता पार्टी की सरकार की तरह ही हुआ वह भी अपने 5 साल पूरे नहीं कर पाई और एक बार फिर से देश में कांग्रेस ने सरकार बनाई ! मैं उन नेताओं का जिक्र कर रहा हूं जो नेता आज कांग्रेस को छोड़कर जा रहे हैं उन नेताओं से कहीं अधिक जनप्रिय और कद्दावर नेता थे, उन नेताओं के कांग्रेस से चले जाने के बाद भी कांग्रेस खत्म नहीं हुई बल्कि कांग्रेस ने उन नेताओं के बगैर भी केंद्र की सत्ता में वापसी की !

कांग्रेस का जो भी नेता कांग्रेस छोड़ता है तब बड़े ही भावनात्मक अंदाज में बयान देता है कि, उसने इतने सालों तक पूरी ईमानदारी के साथ कांग्रेस की सेवा की, जबकि वह ईमानदारी से यह नहीं बताते की कांग्रेस ने उनकी हैसियत से अधिक उन्हें मेवा भी दिया ? सवाल तो यह है कि वर्षों तक सत्ता और संगठन की मलाई खाने वाले नेता ही कांग्रेस को क्यों छोड़ कर भागते हैं जहां तक त्याग तपस्या और बलिदान की बात करें तो कांग्रेस का आम कार्यकर्ता है जो वफादारी और ईमानदारी से कांग्रेस के लिए काम करता है मगर वह ना तो कभी कांग्रेस को छोड़ता है और ना ही कांग्रेस के संबंध में सार्वजनिक रूप से कांग्रेस के खिलाफ कोई बयान देता है ? कांग्रेस में ऐसे अनगिनत छोटे बड़े नेता हैं जिन्होंने कमोबेश गुलाम नबी आज़ाद जैसे नेताओं के समान अपने जीवन के साल कांग्रेस में गुजार दिए लेकिन कांग्रेस ने आज तक भी उन नेताओं को राजनीतिक पद पर नहीं नवाजा है, वह नेता कांग्रेस से इस्तीफा देने वाले नेताओं की तरह नहीं है बल्कि वह नेता कॉन्ग्रेस को कैसे मजबूत करें और सत्ता में लाएं इस पर काम करते हैं ! अब सवाल उठता है कि 7 सितंबर से राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा असल में कांग्रेस जोड़ो यात्रा साबित होगी ? क्या राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के तहत, देश में नई कांग्रेस ढूंढने और मजबूत कांग्रेस बनाने के लिए लिए 7 सितंबर को निकलेंगे?

राजस्थान छात्रसंघ चुनाव वर्तमान सरकार का यह लिटमस टेस्ट जैसा है: पूनिया

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सभी विजयी प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं। राज्य की कांग्रेस सरकार द्वारा आनन-फ़ानन में घोषित किये गए छात्रसंघ चुनावों में अधिकांश छात्र प्रवेश तत्पश्चात् मतदान से वंचित रहे, यही कारण था कि औसतन 50 प्रतिशत मतदान का संकेत यही है कि विद्यार्थियों की कोई रूचि नहीं थी, फिर भी पुलिस प्रशासन का दवाब और दमन चक्र चलाया और सरकारी मशीनरी के दवाब में चुनावों को प्रभावित करने की कोशिश की गई।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का एजेंडा था कि निकायों और पंचायतीराज चुनावों में परिसीमन और जोड़तोड़ के ज़रिए काबिज होकर यह अपने प्रभुत्व को दर्शाने की कोशिश की, लेकिन कांग्रेस और गहलोत के मंसूबे सफल नहीं हुए और पहली बार सत्तारूढ़ दल को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। प्रदेश के पंचायतीराज चुनाव में भी

करीब ढाई करोड़ मतदाताओं ने जनविरोधी नीतियों के कारण कांग्रेस सरकार के ख़िलाफ़ मतदान किया था और भाजपा को 33 में से 19 जिलों में जिला प्रमुख बनाने का आशीर्वाद जनता ने दिया था।

यही हाल इन छात्रसंघ के चुनावों में हुआ, आज घोषित परिणाम यही साबित कर रहे हैं कि राज्य में उच्च शिक्षा के बदतर हालात, शैक्षिक संस्थानों में अराजकता, प्राध्यापकों का अभाव, बुनियादी सुविधाओं की कमी, शैक्षणोत्तर गतिविधियों की कमी, शिक्षा के बाद कैरियर काउंसिलिंग की कमी और इन सबसे अधिक बेरोज़गारी प्रमुख समस्या बन गई और रीट जैसे पेपर लीक तथा लगातार नकल की घटनाओं से राजस्थान के बेरोजगार अवसाद में जाकर आत्महत्या तथा अपराध जैसे कदमों की ओर प्रवृत्त हुए हैं।

इन सब घटनाओं का मानसिक असर विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों पर पड़ा है और उन्होंने राज्य की कांग्रेस की गहलोत सरकार को सिरे से नकार दिया है।इस सरकार का यह लिटमस टेस्ट जैसा है, मुख्यमंत्री के गृहक्षेत्र जोधपुर में भी कांग्रेस का छात्र संगठन खाता नहीं खोल पाया और पूरे प्रदेश में भी इनकी स्थिति शून्य रही, और यह भविष्य का ही संकेत है कि 2023 में प्रदेश का विद्यार्थी और नौजवान कांग्रेस के विरूद्ध मतदान करेगा। युवा, किसान और महिला विरोधी कांग्रेस सरकार के खिलाफ पूरे प्रदेश में एंटीइनकंबेंसी है।2023 में प्रदेश की जनता कांग्रेस को हमेशा के लिए राजस्थान से मुक्त कर देगी और प्रचण्ड बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनेगी।

कांग्रेस की महंगाई के ख़िलाफ दिल्ली में राष्ट्रव्यापी रैली 4 सितंबर को

हिलव्यू समाचार

जयपुर। कांग्रेस की चार सितंबर को दिल्ली में महंगाई के खिलाफ राष्ट्रव्यापी रैली को सफल बनाने और ज्यादा से ज्यादा संख्या में कार्यकर्ताओं को दिल्ली ले जाने को लेकर गुरुवार को प्रदेश के सभी जिलों में बैठकें हुई। कांग्रेस ने हर विधानसभा क्षेत्र से कार्यकर्ताओं को दिल्ली ले जाने का लक्ष्य तय किया हुआ है। राजस्थान से पचास हजार कार्यकर्ताओं के दिल्ली रैली में शामिल होने का लक्ष्य रखा गया है। राजधानी जयपुर में भी प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने जयपुर के निवर्तमान अध्यक्ष के तौर पर यह बैठक ली। उन्होंने जयपुर से पांच हजार कार्यकर्ताओं को ले जाने का लक्ष्य तय करने की जयपुर शहर के नेताओं से अपील की।

ऐतिहासिक होगा राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेलों का आयोजन: मुख्यमंत्री

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम के इनडोर हॉल में राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेल के शुभंकर 'शेरू' का अनावरण किया एवं थीम सॉन्ग भी जारी किया। उन्होंने कहा कि 29 अगस्त से राज्य में ग्रामीण ओलम्पिक खेलों का आयोजन होने जा रहा है। इसके लिए 40 करोड़ रूपए के बजट का प्रावधान किया गया है। ग्रामीण खिलाड़ियों को खोज कर आगे लाना, उनकी प्रतिभा को तराशना, उन्हें प्रोत्साहित करना तथा आमजन में खेल भावना को बढावा देना राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक्स का मुख्य उद्देश्य है। युवाओं के साथ बुर्जुगों एवं महिलाओं ने भी बड़े स्तर पर खेलों में भाग लेने के लिए पंजीकरण करवाया है। आज राजस्थान में खेलों के प्रति जो माहौल बन रहा है वह अविश्वसनीय है।

गहलोत ने कहा कि ग्रामीण ओलम्पिक सभी आयुवर्ग के लिए है। इन खेलों में लगभग 30 लाख खिलाड़ी भाग ले रहे हैं तथा 2 लाख टीमें बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि यदि राज्य के प्रतिभावान खिलाड़ियो की खोज कर उन्हें उचित प्रशिक्षण दिया जाए तो वे राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर देश एवं प्रदेश का नाम रोशन कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा खेलों के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर खेल मैदान तैयार किए गए हैं। खिलाड़ियों के लिए सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है तथा प्रदेश में एक नई खेल संस्कृति का

निर्माण हो रहा है। उन्होंने आह्वान किया कि खेलों के सफल आयोजन में आमजन के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि अपनी भागीदारी उत्साहपूर्वक निभाएं।

29 अगस्त से होगा राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेलों का आयोजनः राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेलों का आयोजन ग्राम पंचायत स्तर पर 29 अगस्त से 1 सितंबर, ब्लॉक स्तर पर 12 सितंबर से 15 सितंबर, जिला स्तर पर 22 सितंबर से 25 सितंबर तथा राज्य स्तर पर 2 अक्टूबर से 5 अक्टूबर तक प्रस्तावित है। खेलों का आयोजन खेल विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं स्थानीय प्रशासन के समन्वय से किया जा रहा है। राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेलों में कबड्डी (बालक/बालिका वर्ग), शूटिंग बॉल (बालक वर्ग), खो-खो (बालिका वर्ग), वॉलीबॉल (बालक/बालिका वर्ग), टेनिसबॉल क्रिकेट (बालक/बालिका वर्ग) एवं हॉकी (बालक/बालिका वर्ग) सहित 6 खेल शामिल होंगे।

स्व.विश्वास कुमार स्मृति कैरम प्रतियोगिता

डबल्स में भागीरथ और रोहित की जोड़ी और सिंगल में भागीरथ ने मारी बाजी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। पिंकसिटी प्रेस क्लब की ओर से वरिष्ठ पत्रकार स्व.विश्वास कुमार की स्मृति में आयोजित कैरम प्रतियोगिता का समापन समारोह बुधवार को क्लब मीडिया सेन्टर में आयोजित हुआ।

प्रतियोगिता के डबल्स में भागीरथ एवं रोहित सोनी की जोड़ी ने नईम एवं विजय जाजडा को 29-0 से हराया। सिंगल फाइनल में भागीरथ ने रोहित सोनी को 29-0 से हराकर बाजी मारी।

क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा ने डबल एवं सिंगल कैरम प्रतियोगिता विजेता, उपविजेता के साथ सभी प्रतिभागी एवं संचालन मण्डल को शुभकामनाएं दी।

इस मौके पर उन्होंने बताया कि खेल समिति संयोजक गिरिराज गुर्जर के संयोजन में आगामी माह में बैडमिन्टन लीग एवं सदस्यों के बच्चों के लिए विंटर फैस्टिवल सहित अनेक टूर्नामेन्ट एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

क्लब महासचिव रघुवीर जांगिड़ ने बताया आगामी माह में अमृत महोत्सव के तहत 75 साल से अधिक के वरिष्ठ पत्रकारों का सम्मान किया जाएगा।

समापन समारोह में डबल्स के विजेता भागीरथ एवं रोहित सोनी को विजेता कप एवं 2100 रुपए उपविजेता नईम एवं विजय जाजड़ा को उपविजेता कप एवं 1100 रुपए तथा सिंगल विजेता भागीरथ को 1100 रुपए एवं रोहित सोनी को उपविजेता ट्राफी व 700 रुपए से पुरस्कृत किया। उन्होंने कहा कि क्लब की ओर से प्रेस क्लब सदस्यों के लिए खेल प्रतियोगिता के अनेक आयोजन किए जाएंगे।

इस अवसर पर प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष पंकज शर्मा, कोषाध्यक्ष राहुल शर्मा गौतम, पूर्व अध्यक्ष एल.एल.शर्मा, पूर्व महासचिव रोषन लाल शर्मा वरिष्ठ पत्रकार बृहस्पति शर्मा, प्रबन्ध कार्यकारिणी सदस्य राहुल भारद्वाज, विजेन्द्र जायसवाल, संतोष कुमार शर्मा, पुष्पेन्द्र सिंह राजावत, अनिता शर्मा, विकास आर्य उपस्थित थे।

राज्य में खिलाड़ियों को मिल रहा प्रोत्साहन

गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने ओलम्पिक, कॉमनवेल्थ, एशियाड सहित राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि को बढ़ाया है। स्वर्ण पदक विजेता को 75 लाख से बढ़ाकर 3 करोड़ रूपये, रजत पदक विजेता को 50 लाख से 2 करोड़ रूपये और कांस्य पदक विजेता को 30 लाख से 1 करोड़ रूपये राशि दी जा रही है। इसके अलावा एशियाई एवं राष्ट्रमण्डल खेलों में स्वर्ण, रजत तथा कांस्य पदक जीतने पर दी जाने वाली 30 लाख, 20 लाख एवं 10 लाख रूपये की ईनामी राशि को बढ़ाकर क्रमशः 1 करोड़, 60 लाख एवं 30 लाख रूपये किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 229 खिलाड़ियों को आउट ऑफ टर्न पॉलिसी के तहत सरकारी नौकरी दी गई है। इसके अलावा प्रशिक्षकों के लिए भी पेंशन स्कीम लागू की गई है। खिलाड़ियों के लिए सरकारी नौकरियों में 2 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है तथा उन्हें डीएसपी स्तर तक की नौकरियां दी जा रही हैं। इससे खिलाड़ियों तथा प्रशिक्षकों का भविष्य सुरक्षित हुआ है।

एक नज़र

जिला कलक्टर ने किया दशहरा मैदान का निरीक्षण

असलम रोमी

कोटा। जिला कलक्टर ओपी बुनकर ने शनिवार को सीएडी स्थित दशहरा मैदान का निरीक्षण कर आगामी राष्ट्रीय मेला दशहरा के सफल आयोजन को लेकर निगम के अधिकारियों को दिशा-निर्देश प्रदान किये। इस अवसर पर आयुक्त नगर निगम दक्षिण राजपाल सिंह, उप सचिव गजेन्द्र सिंह, उप सचिव अम्बालाल मीणा सहित निगम के विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रभारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर ने कहा कि कोटा का दशहरा मेले के शुभारंभ से लेकर समापन तक विभिन्न कार्यक्रमों आयोजित किये जाते रहे हैं इन सभी आयोजनों में निगम के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी समन्वित प्रयास कर टीम भावन के रूप में कार्य कर मेले को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान करने के निर्देश दिये। मेले में दुकान आवंटन से लेकर, विद्युत सज्जा, साफ-सफाई, पार्किंग, कार्यक्रमों में आयोजन को लेकर दी जाने वाली सभी जिम्मेदारियों को समय रहते पूरा कराने के निर्देश दिये। मेले के आयोजन के दौरान साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाये। निगम की ओर से सभी दुकानदारों को अपनी अपनी दुकान के लिए डस्बीन उपलब्ध कराये जाने साथ ही निगम की ओर से साफ-सफाई और अनावश्यक कचरा नहीं फैलाने के अपील एवं पोस्टर का वितरण भी कराएँ जिससे मेला परिसर साफ-सफाई बनी रहे। जिला कलक्टर ने दशहरा मैदान में पड़े हुए पुराने वाहन जो अनुपयोगी हो गये हैं उनका कमेटी बनाकर निलाम करने के निर्देश दिये जिससे निगम को राजस्व की प्राप्ति हो सके। विजयश्री रंगमंच एवं रामलीला मंच का भी अवलोकन किया।

3 शातिर दुपहिया वाहन चोर गिरफ्तार, 9 बाइक बरामद

हिलव्यू समाचार

नागौर। थाना पादुकलां पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई कर तीन शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी की कुल 9 मोटरसाइकिलें बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपियों ने पादु कला, रियांबड़ी, मेड़ता और डेगाना से यह वाहन चोरी करना स्वीकार किया है।

नागौर एसपी राममूर्ति जोशी ने बताया कि 21 अगस्त को थाना बिलाड़ा जोधपुर निवासी इकबाल खान ने एक रिपोर्ट थाना पादु कला में दी। जिसमें बताया कि वह आज सुबह करीब 10:00 बजे पादु कला में इंद्राणी होटल के पास अपनी रिश्तेदारी में आया था। घर के बाहर बाइक खड़ी कर अंदर गया, जब बाहर आया तो वहां बाइक नहीं थी। रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज किया गया।

मामले के खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसपी जोशी द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा व सीओ नंदलाल सैनी एवं थानाधिकारी सुमन चौधरी के नेतृत्व में टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर गांव डोडियाना से आरोपी चेनाराम उर्फ चैना बावरी (22) निवासी पूसाजी की ढाणी पादू खुर्द, कानाराम बावरी पुत्र रमजी राम (23) निवासी बीटन थाना गोटन तथा सुरेश बावरी पुत्र श्रवण राम (23) निवासी मांडल जोधा थाना पादु कला को दस्तयाब कर चोरी की उक्त बाइक समेत नो बाइक बरामद की है।

राज्य सरकार द्वारा महिला समानता दिवस के उपलक्ष्य में पाँच दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला का आयोजन हुआ

नीलम मुंजाल

जयपुर। महिलाओं को आर्थिक सामाजिक राजनीतिक स्तर पर समानता का दर्जा दिलाने और उनके प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से महिला समानता दिवस मनाया जाता है।जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में समानता प्राप्त करने के लिए महिलाओं ने एक लंबी लड़ाई लड़ी है और यह संघर्ष अभी भी जारी है। महिलाओं की समानता को प्रतिपादित करने के लिए हर वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला समानता दिवस मनाया जाता है। महिला समानता की शुरुआत 1893 में न्यूजीलैंड ने की इसके बाद 1920 में अमेरिका ने महिलाओं को मतदान का अधिकार दिया

इस वर्ष महिला समानता दिवस की थीम महिलाओं के वोट के अधिकार का जश्न मनाना है इस सोच के साथ राज्य सरकार की ओर से इस बार एक विस्तृत कार्यक्रम मनाया गया।समानता दिवस के उपलक्ष्य में पाँच दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई।इन कार्यक्रमों में प्रदर्शनी लगाई गई और महिलाओं की सफलता के विषय पर परिचर्चाओं का आयोजन किया गया जिसमें महिला सशक्तिकरण पर

महिला समानता दिवस की शुभकामनाएं

विस्तृत विचार किया गया इस क्रम में मुख्य कार्यक्रम गत शुक्रवार जयपुर में आयोजित हुआ कार्यक्रम में प्रदेश भर से विभिन्न स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं ने हिस्सा लिया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने महिला निधि का लोकार्पण किया इस निधि से महिलाएं अपनी रोजमर्रा के कार्यों और व्यवसाय के लिए लड़ प्राप्त कर सकेंगे और महिलाओं को संबोधित कि महिलाओं की स्थिति बेहतर बनाने के लिए कानून के साथ-साथ सामाजिक सोच में बदलाव की ज़रूरत है ।उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा महिला विकास के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं जिसमें वे आत्मनिर्भर बन सकें। पंचायतों में महिलाओं को आरक्षण दिया गया है जिससे महिलाएं सशक्त हुई हैं और उनमें आत्मविश्वास पैदा हुआ है। मुख्यमंत्री ने महिलाओं के स्वास्थ्य शिक्षा और आर्थिक विकास के लिए चलाई जा रही योजनाओं को भी रेखांकित किया

कार्यक्रम को महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश , मुख्य सचिव उषा शर्मा और मजदूर किसान शक्ति संगठन के फाउंडर अरुणा राय ने भी संबोधित किया।स्वयं सहायता समूह के उत्पादों की ऑनलाइन बिक्री के लिए एमओयू पर करार किया गया जिससे महिला समूह अपने द्वारा निर्मित उत्पाद को ऑनलाइन बिक्री कर सकेंगी।इससे पूर्व के दिनों में जवाहर कला केंद्र में स्वयं सहायता समूह द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई इसके अलावा कई परिचर्चाएं भी आयोजित की गई जिनमें महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर विचार विमर्श किया गया महिला समानता दिवस पर आयोजित यह कार्यक्रम सरकार का महिलाओं के विकास के प्रति सोच का की पहल है।

छात्रसंघ चुनाव कोटा: 11 में निर्दलीयों का कब्जा, 3 में एबीवीपी व 2 में एनएसयूआई ने मारी बाजी, जेडीबी आर्ट्स में एबीवीपी, पूरा पैनल जीता

कोटा। कोटा शहर में हुए छात्रसंघ चुनाव में कोटा यूनिवर्सिटी समेत जिले के 11 सरकारी कॉलेजों में अध्यक्ष पद पर निर्दलीय ने कब्जा जमाया। जबकि 3 कॉलेजों में एबीवीपी व 2 कॉलेज में एनएसयूआई को फतह मिली। इनमें एक शहर व एक ग्रामीण कॉलेज से एनएसयूआई, शहर में तीन कॉलेज में एबीवीपी व बाकी सभी में निर्दलीय ने कब्जा जमाया।

कोटा यूनिवर्सिटी में निर्दलीय का कब्जाः कोटा यूनिवर्सिटी में अध्यक्ष पद पर निर्दलीय अजय ने जीत हासिल की है। उन्होंने एबीवीपी की अंतिमा को हराया। अजय को 281 मत मिले है। अंतिमा को 215 मत मिले। अजय 66 मतों से विजय रहे। कॉमर्स कॉलेज में अध्यक्ष पद पर निर्दलीय अर्पित ने जीत हासिल की है।

जेडीबी आर्ट्स में एबीवीपी का पूरा पैनल जीताः जेडीबी आर्टस में एबीवीपी का पूरा पैनल जीता है। यहां एबीवीपी की शिवानी दुबे व निर्दलीय निशा के बीच टक्कर थी। शिवानी दुबे ने 136 वोट से जीत हासिल की। शिवानी को 569 वोट मिले। निर्दलीय निशा को 433 वोट मिले। उपाध्यक्ष पद पर अंजलि, महासचिव रिंकी विजयी रही। संयुक्त सचिव प्रियंका मीणा को निर्विरोध निर्वाचित किया। बात दें कि 23 अगस्त की सुबह निर्दलीयों के नामांकन खारिज होने पर एबीवीपी पैनल ने जीत का जश्न मनाया था, लेकिन कुछ

घंटे बाद ही अंतिम वैध नामांकन सूची में निर्दलीयों के नाम जोडऩे से एबीवीपी ने विरोध जताया था। कॉलेज गेट पर धरने पर बैठ गई थी।

जेडीबी साइंस कॉलेज में एनएसयूआई का कब्जाः जेडीबी साइंस कॉलेज में एनएसयूआई ने कब्जा जमाया है। यहां एनएसयूआई की अंजली ने निर्दलीय नीलू को मात दी है। यहां कुल 491 वोट पड़े थे। अंजली को 443 वोट मिले। जबकि निदलीय नीलू को 35 वोट मिले। 13 वोट खारिज हुए। एनएसयूआई की महिमा उपाध्यक्ष, मुस्कान, महासचिव सेलिन का संयुक्त सचिव पद पर पहले की निर्विरोध निर्वाचित हो चुकी थी।

जेडीबी कॉमर्स में एबीवीपी विजयीः जेडीबी कॉमर्स में अध्यक्ष पद के लिए एबीवीपी से दीप्ति ने निर्दलीय माधवी को हराया। दीप्ति को 129 वोट मिले। निर्दलीय माधवी को 81 मत मिले। एनएसयूआई से चेतना को 65 वोट मिले। यहां उपाध्यक्ष पद पर एनएसयूआई की मानसी, महासचिव स्वाती चुनाव जीती है। संयुक्त सचिव पद पर ज्योति कुमारी निर्विरोध रही।

राजकीय साइंस कॉलेज में निर्दलीय व आर्ट्स में एबीवीपी राजकीय साइंस कॉलेज में निर्दलीय आशीष अध्यक्ष बने। उन्हें 661 मत मिले। जबकि ललित को 322 मत मिले। आशीष 339 मतों से विजयी रहे। उपाध्यक्ष स्वदेश सिंह, महासचिव नितेश व संयुक्त सचिव आवेश विजयी रहे। राजकीय कला महाविद्यालय में एबीवीपी से मनीष सामरिया अध्यक्ष बने।

साढे तीन बीघा भूमि पर दो नवीन अवैध कॉलोनियों को जेडीए ने किया ध्वस्त

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-13 में निजी खातेदारी करीब 3.5 बीघा कृषि भूमि पर 02 नवीन अवैध कॉलोनियॉ का पूर्णतः ध्वस्त किया गया। साथ हीजेडीएस्वामित्व के सरकारी गैर मुमकीन आम रास्ते को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जोन-05 में सुओमोटो के तहतः 02 आवासीय कॉलोनी की रोड़ सीमाओं को अतिक्रमण मुक्त करवाया।रोड़ सीमा के करीब 21 अतिक्रमणों-चबुतरें, लोहे की जालियॉ, दीवारो से निर्मित एनक्लोजर इत्यादि को हटवाया जाकर रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन श्री रघुवीर सैनी ने बताया कि जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित कस्बा-चौमू के जविप्रा स्वामित्व के सरकारी गैर मुमकीन आम रास्ते खसरा नं. 4137 पर स्थानीय कास्तकारों द्वारा आम रास्ते के दोनो तरफ करीब 5-5 फीट चौडाई व 500 मीटर लम्बाई पुनः अवैध कब्जा-अतिक्रमण कर तारबंदी, मिट्टी की डोल, बाउण्ड्रीवाल, लेट-बॉथ इत्यादि बनाकर कब्जा-अतिक्रमण कर सरकारी आम रास्ते को पूर्ण अवरूद्ध कर रखा था। जिससे सड़क निर्माण कार्य नही हो पाने से स्थानीय आमजन को रास्ते को लेकर भारी समस्या का सामना करना पड रहा था। जिसकी शिकायत प्राप्त होते ही अविलम्ब जोन से रिपोर्ट प्राप्त कर नियमानुसार विहित प्रक्रिया अपनाकर सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त कर जोन-13 के राजस्व व तकनिकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरां की सहायता से हटवाया जोन-13 के क्षेत्राधिकार अवस्थित कस्बा-चोमू में ही हाईवे से लगते हुये राजमहल गार्डन, न्यू टेगोर स्कूल के पास,भोजलाई कट में खसरा नं. 748/3, 748/2, 750/2, 745/3 व 742/3 में करीब 02 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर बिना भूरूपान्तरण कराये 'गिर्राज विहार' के नाम से नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयोजनार्थ बिनाजेडीएकी अनुमति व स्वीकृति के विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनायी जा रही मिट्टी की सड़क व अन्य अवैध निर्माण की सूचना प्राप्त होते ही आज अविलंब जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से पूर्णतः ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयासों को विफल किया गया। धारा 175 राजस्थान कास्तकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही हेतु उपायुक्त जोन-13 को पत्र लिख जावेगा तथा जविप्रा का ध्वस्तीकरण में हुये व्यय-खर्चे की नियमानुसार संबंधित से वसूली की जावेगी।जेडीएद्वारा माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय डी.बी. सिविल रीट पिटीशन नं. 7688/2019 सुओमोटो के तहत् माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेशो के क्रम में प्रवर्तन प्रकोष्ठ द्वारा आज दिनांक 25.08.2022 को जोन-05 के क्षेत्राधिकार महेश नगर क्षेत्र में अवस्थित ''पाश्वनाथ'' कॉलोनी में मकानां के आगे रोड़ सीमा में करीब 15 स्थानो पर अतिक्रमण कर बनाये गये 05 चबूतरे व 10 स्थानां पर लॉन हेतु लगाये गये लोहे के एंगल, जालियां/दीवारो से निर्मित एनक्लोजर, इत्यादी अवैध निर्माण-अतिक्रमणों को जोन-05 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरां की सहायता से ध्वस्त किया जाकर रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय डी.बी. सिविल रीट पिटीशन नं. 7688/2019 सुओमोटो के तहत् माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेशो के क्रम में प्रवर्तन प्रकोष्ठ द्वारा आज दिनांक 25.08.2022 को जोन-05 के क्षेत्राधिकार सोडाला नन्दपुरी के पास अवस्थित ''गोविन्दपुरी'' कॉलोनी में मकानां के आगे रोड़ सीमा में करीब 06 स्थानो पर अतिक्रमण कर बनाये गये 06 चबूतरे, इत्यादी अवैध निर्माण-अतिक्रमणों को जोन-05 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरां की सहायता से ध्वस्त किया जाकर रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

पिंकसिटी प्रेस क्लब

खरी-खरी पुस्तक का विमोचन समारोह हुआ संपन्न

जयपुर। पत्रकार लेखक राजनीतिक चिंतक अशोक भटनागर राष्ट्रध्वज द्वारा लिखित पुस्तक खरी खरी का विमोचन आज पिंक सिटी प्रेस क्लब के श्री प्रकाश मीडिया सेंटर में विमोचन किया गया । समारोह में मुख्य अतिथि मुमताज मसीह, अध्यक्षता-फारुख अफरीदी वरिष्ठ व्यंग्यकार, लेखक एवं ओएसडी (मुख्यमंत्री) सहित विशिष्ट अतिथियों में एल सी भारतीय, सदस्य प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया, अरुण जोशी, अतिरिक्त निदेशक सूचना जनसंपर्क निदेशालय तथा अरुण शर्मा, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सहित सभी वरिष्ठ पत्रकार ,साहित्यकार एवं प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथियों ने शिरकत की। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि मुमताज मसीह ने कहा कि मैंने बरसों से पत्रकार साथियों से बहुत कुछ सीखा है ।भटनागर से मेरे 40 साल पुराने संबंध है यह बोलते भी खरी खरी हैं तथा लिखते भी खरी खरी हैं। अध्यक्षीय भाषण में फारुख अफरीदी ने कहा कि आज पत्रकारों को पत्रकारिता के साथ-साथ देश की वर्तमान परिस्थितियों पर लिखित रूप में पुस्तकें प्रकाशित करनी चाहिए जो एक शताब्दियों के लिए दस्तावेज की तरह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक बने। अतिरिक्त निदेशक डीआईपीआर

अरुण जोशी ने कहां की पिंक सिटी प्रेस क्लब में साहित्यिक गतिविधियों को निरंतर किया जाना आवश्यक हो गया है। पिंक सिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष मुकेश मीणा ने उपस्थित सभी पत्रकार साथियों को संबोधित करते हुए कहा कि हम प्रेस क्लब में साप्ताहिक साहित्यिक गोष्ठियों का आयोजन करेंगे। एल सी भारतीय ने कहा की वह हमेशा पत्रकारों की समस्या का निस्तारण करने के लिए भारत सरकार के स्तर पर निरंतर कार्य कर रहे हैं। वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक सत्य पारीक ने उपस्थित श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पुस्तकों की समीक्षा प्रकाशित की जानी चाहिए। चाहे वह आलोचनात्मक ही क्यों ना हो इससे लेखकों का मनोबल बढ़ता है। मंच संचालन वरिष्ठ पत्रकार एवं पिंक सिटी प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष एल एन शर्मा ने किया तथा उन्होंने कहा कि आज पत्रकारिता में खरी- खरी कहने वाले तथा खरी-खरी लिखने वालों का नितांत अभाव हो गया है। भटनागर की पुस्तक ने सभी युवा पत्रकारों को एक नई दिशा दिखाने का काम किया है। लेखक भटनागर ने पुस्तक के बारे में बताया कि पुस्तक में वर्तमान देश के हालात और राजनीति में आई गिरावट पर कई व्यंग और आलेख इस पुस्तक में संकलित किए गए हैं। सभी पाठकों से अनुरोध करते हुए कहा कि वे पुस्तक के बारे में लेखक को अपनी- अपनी समीक्षा से अवगत कराएं जिससे आगामी पुस्तकों में अगर कोई त्रुटि रही हो तो उसे सुधारा जा सके।

समारोह के अंत में सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए और खरी-खरी के संपादक सहयोगी विमल सिंह तंवर और राजकुमार मल्होत्रा को सम्मानित किया गया।

विन्रम श्रद्धांजलि

पत्रकार सलीमुर्रहमान खिलजी पत्रकारिता क्षेत्र में चमत्कारी व्यक्तित्व रहे

एक जांबाज़, एक कलमकार, एक पत्रकार सलीमुर्रहमान खिलजी यूँ अचानक हमें अलविदा कह जायेंगे यह हमने ख़्वाबों-ख़्यालों में भी नहीं सोचा था। अल्लाह उनकी मगफिरत करे,जन्नतुल फिरदौस में उन्हें आला मुकाम अता फरमाये। वे एक क़लमकार , पत्रकार, सम्पादक, प्रकाशक,मुद्रक,प्रबन्धक,विज्ञापन एडवाइजर रहे वे बहुआयामी प्रतिभा के धनी थे।

पत्रकारों की सियासत में अगवा रहे सलीमुर्रहमान ख़िलजी ने खुद अपने बल पर जांबाज़ पत्रिका को सांध्य अंक के अलावा मॉर्निंग एडीशन के रूप में भी खुद की ऑफसेट मशीन पर प्रकाशन शुरू किया।पत्रकारिता के स्कूल में सलीमुर्रहमान ख़िलजी का एक ही नारा रहा 'जुल्म ज्यादती के खिलाफ संघर्ष हमारा है' सलीमुर्रहमान ख़िलजी लघु समाचार पत्रों की तरफ से पत्रकारिता का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। कई प्रशिक्षु पत्रकारों के उस्ताद भी रहे।पत्रकारिता में ख़बरों को कैसे हासिल करें?कैसे लिखें?कैसे संपादित करें? अख़बार प्रकाशन का प्रबंधन कैसा हो? विज्ञापन नीति कैसी हो?वार्षिक ब्योरा कैसे भेजा जाए?अख़बार वितरण व्यवस्था बेहतर कैसे की जाए? वे सभी को सिखाते थे। वर्तमान में कोरोना संकट काल से कई बड़े अख़बारों के जब पेज कम हो गए। प्रकाशक का प्रकाशन के प्रति नज़रिया बदला लेकिन सलीमुर्रहमान ने और उनकी कलम,उनकी पत्रकारिता,उनके जांबाज़ अख़बार के वही रंग बिरंगे,नियमित,तीखे तेवर रहे।

अख़्तर ख़ान अक़ेला
कोटा राजस्थान

मुख्यमंत्री गहलोत ने हवाई सर्वे कर जाने बाढ़ से हुए नुकसान के हालात और ईआरसीपी पर की चर्चा

असलम रोमी (हिलव्यू समाचार)

कोटा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जिले में अतिवर्षा से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का गत गुरूवार को जनप्रतिनिधियों के साथ हवाई सर्वे किया तथा राजकीय माध्यमिक विद्यालय मोन्टेसरी नयापुरा में बनाए गए आश्रय स्थल पहुंचकर प्रभावितों से रूबरू हुए।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासनिक सूझ-बूझ से जल भराव से प्रभावित क्षेत्रों में कोई जनहानि नहीं हुई। उन्होंने बाढ़ प्रभावित परिवारों से रूबरू होकर जल भराव से उत्पन्न स्थिति की जानकारी ली तथा आश्रय स्थल पर की जा रही व्यवस्थाओं के बारे में फीडबैक लिया एवं प्रभावित परिवारों को विश्वास दिलाया कि उनके घरों में हुए नुकसान का सर्वे कराकर आपदा राहत नियमों के अनुसार त्वरित रूप से सहायता उपलब्ध कराई जायेगी। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ के बारे में भी विस्तार से जानकारी

दी। जिसमें नेहरू कॉलोनी निवासी मुमताज, गुड्डो, फरीदा, फरजाना तथा खाई रोड़ निवासी कौशल्या सैनी, पार्षद नीलोफर मन्टू ने मुख्यमंत्री को सरकार की विभिन्न योजनाओं से मिल रहे लाभ के बारे में बताया। प्रभावित परिवारों ने खाद्यान्न योजना, मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना से लाभान्वित होने के बारे में जानकारी दी।

ईआरसीपी में काम आए व्यर्थ जा रहा पानी-मुख्यमंत्रीः मुख्यमंत्री ने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि हाड़ौती से चम्बल, कालीसिंध, परवन नदियों का पानी व्यर्थ बहकर सागर में मिलता है। इसका सदुपयोग पूर्वी राजस्थान कैनाल परियोजना में किया जाए तो निश्चित रूप से पूर्वी राजस्थान के 13 जिले भी जल का लाभ ले सकेंगे उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री से राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने के लिए लगातार मांग की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा 9 हजार करोड़ का प्रावधान किया है, नौनेरा बांध बन चुका है, ऐसे में केन्द्र सरकार को भी आगे आकर इस परियोजना के लिए सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में बड़े बांध बन गए हैं, उनकी सहमति के बाद ही इस परियोजना को शुरू किया गया। 13 जिलों में पेयजल के लिए वर्तमान में इस परियोजना का क्रियान्वयन आवश्यक है। ईआरसीपी में व्यर्थ बहकर जा रहे पानी से भी कम मात्रा में काम लिया जायेगा इससे हमेशा इस क्षेत्र में बाढ़ से होने वाले नुकसान को भी रोका जा सकेगा तथा 13 जिलों की प्यास भी बुझेगी।

छबड़ा-छीपाबड़ौद विधायक सिंघवी ने बाढ़ग्रस्त इलाक़ों का किया दौरा

हिलव्यू समाचार

छबड़ा बारां। छबड़ा-छीपाबड़ौद विधायक व पूर्व मंत्री प्रतापसिंह सिंघवी ने छीपाबडौद तहसील में अतिवृष्टि एवं बाढ से क्षैत्र लक्ष्मीपुरा, हरनावदाशाहजी,दीगोदजांगीर,पीपल खेडी, हलेसरा, नारेडा, कालाटोल, कलमोदिया, पथरी, ब्रहमाखेडी, लम्बावर, सारथल, टाकोडा, अमलावदा खरण, सुखनेरी मालोनी, बडाई, भावपुरा एवं बोरदा में हुए नुकसान का जायजा लिया। ग्राम हरनावदा शाहजी में भाजपा कार्यकर्ता गुलाबचन्द नागर के आवास पर जाकर उनके पिता के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की साथ ही लक्ष्मीपुरा निवासी छोटेलाल भील जिनकी बाढ की चपेट में आने से नाले में बहकर असामायिक मृत्यु होने पर शोक व्यक्त किया तथा मौके पर ही प्रशासन से वार्ता कर पीडित परिवार को आर्थिक सहायता अतिशीघ्र उपलब्ध कराने एवं परिवार की परिस्थितियो को देखते हुए खाद्य सामाग्री उपलब्ध कराने का आग्रह किया। विधायक सिंघवी ने बताया कि बाढ ग्रस्त क्षैत्र में सैकडो व्यक्तियो के कच्चे व पक्के मकान ध्वस्त हो गये है तथा हजारो बीघा की फसल पूरी तरह नष्ट हो चुकी है, अभी

भी खेतो में पानी भरा हुआ है, जिसके कारण खेतो में फसलो की उपज नही हो सकती है। किसानो के पास उपज एवं खाद्य सामाग्री पूरी तरह नष्ट हो गई है। कई परिवारो के सामने तो परिवार के भरण पोषण करने की गंभीर स्थिति पैदा हो गई है। विधायक सिंघवी ने सरकार से मांग की है कि बाढ ग्रस्त क्षैत्रो का अतिशीघ्र सर्वे कराकर पीडित व्यक्तियो को तत्काल मुआवजा उपलब्ध कराया जाये। विधायक सिंघवी के साथ छीपाबडौद प्रधान नरेष मीणा, वरिष्ठ भाजपा नेता श्याम कचनारिया, सरपंच रामकल्याण गुर्जर, सरपंच संजय पारेता, सरपंच रामविलास कालाटोल, सरंपच भवंरलाल दीगोद जागीर, पूर्व सरपंच प्रेम तिवारी, ओम खण्डेलवाल, रामरतन बरसत, हेमन्त दोलिया, पूर्व प्रधान उदयसिंह मीणा, पंचायत समिति सदस्य हुकमचंद नागर, मुरली मेहरा, अमित शर्मा एवं महेंद्र नागर दिगोद जागीर आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

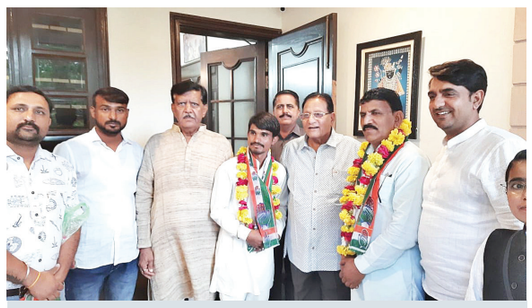

कांग्रेस के विकास से प्रभावित होकर कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं भाजपा पार्षद: धारीवाल

हिलव्यू समाचार
कोटा।

कोटा दक्षिण निगम के भाजपा पार्षदों ने भाजपा से किनारा कर कांग्रेस का दामन थाम लिया। गत गुरुवार को यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के आवास पर पार्षद धनराज चेची और सोनू भील ने मंत्री शांति धारीवाल से आशीर्वाद प्राप्त कर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए वार्ड 7 और 29 के दोनों पार्षदों का माला और दुपट्टा पहना कर स्वागत किया। इस दौरान मंत्री धारीवाल ने कहा कि कांग्रेस द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्यों से प्रभावित होकर भाजपा के दोनों पार्षदों ने कांग्रेस पार्टी ज्वाइन की है वहीं उन्होंने पार्षदों की पीड़ा बताते हुए कहा कि दोनों ही पार्षद स्थानीय विधायक से परेशान थे स्थानीय विधायक द्वारा ना तो क्षेत्र में कोई विकास कार्य करवाया जाता है और ना ही पार्षदों द्वारा विकास कार्यों के लिए किए जा रहे प्रयासों में मदद विधायक की ओर से की जाती है ऐसी परिस्थितियों में दोनों ही पार्षदों ने कांग्रेस सरकार द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्यों से प्रभावित होकर कांग्रेस का दामन थाम लिया है अब दोनों पार्षद कांग्रेस पार्टी के विकास के विजन के साथ अपने अपने क्षेत्र में कार्य करेंगे। भाजपा पार्षदों द्वारा कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने के मौके पर कांग्रेस नेता अमित धारीवाल जिला अध्यक्ष रविंद्र त्यागी उपमहापौर पवन मीणा सहित कांग्रेस पार्षद एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कागज़ों तक हीं सीमित रही शहर के नालों की सफाई

हिलव्यू समाचार

कोटा। पूर्व पार्षद ब्रजेश शर्मा नीटू, हेमा सक्सेना, मधु कुमावत, धापू मेहरा, इंद्रकुमार जैन, चंद्रप्रकाश सोनी ने संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा कि शहर के हर बाजार व हर गली में पानी भरने से शहरवासियों का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। उन्होंने कहा कि शहर की हर गली व मुख्य बाजार में भरे पानी ने दोनों नगर निगमो के वर्षा पूर्व नालों की सफाई पर किए गए करोड़ों रुपयों के खर्च की पोल खोल कर रख दी है।

पूर्व पार्षद ने आरोप लगाया कि दो नगर निगम बनाने के पीछे यह तर्क दिया गया था कि नगर निगम द्वारा किए जाने वाले कार्यों की सही तरीके से मोनिटरिंग हो सकेगी वह तो हुआ नहीं बल्कि निगम पर जहां आर्थिक बोझ बढ़ गया वही भ्रष्टाचार भी चरम पर पहुंच गया। अब निगम के काम सिर्फ कागजी खानापूर्ति तक ही सिमट कर रह गए हैं।

सभी ने कहा कि बरसात से पहले महापौर ने नालों के पास खड़े होकर बड़े-बड़े फोटो जारी करवाएं जिसकी हकीकत चंद घंटों की बारिश में ही जनता के सामने आ गई। पूर्व पार्षदो ने आरोप लगाते हुए कहा कि नालों की सफाई के नाम पर करोड़ों रुपए की बंदरबांट हुई है। नालों की सफाई सिर्फ कागजों में ही सिमट कर रह गई थी जिसकी हक़ीक़त शहर के सामने है।

फसल ख़राब होने की सूचना वर्षा के दौरान 72 घण्टों में देना अनिवार्य

हिलव्यू समाचार

कोटा। जिले में वर्षा का दौर लगातार जारी रहने के कारण खरीफ फसलें प्रभावित हुई है। जिन किसानों द्वारा खरीफ फसल के तहत फसल बीमा करा रखा है। उन्हें 72 घंटे के अन्दर ऑनलाईन फसल खराबे की सूचना जिले की संसूचित बीमा कम्पनी को देने का आव्हान किया गया था। उप निदेशक कृषि विस्तार खेमराज शर्मा ने बताया कि किसान ऑनलाईन फसल खराबे की सूचना जिले की संसूचित बीमा कम्पनी बजाज एलायंज जनरल इंश्योरेंस कम्पनी लि. के टोल फ्री नम्बर 18002095959 पर व कम्पनी के फार्ममित्र ऐप के माध्यम से दर्ज करा चुके हैं।यदि शिकायत दर्ज कराते समय वांछित सूचना उपलब्ध नहीं कराई जाती है तो सात दिवस में पूर्ण सूचना निर्धारित प्रपत्र में सम्बन्धित बीमा कम्पनी को आवश्यक किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की अधिसूचना के अनुसार फसल खराबे की सूचना निर्धारित अवधि तक नहीं देने पर बीमा क्लेम नहीं मिल पायेगा।

कोटा-बूंदी में राजमार्गों पर ब्लैक स्पॉट की ख़ामियां होंगी दूर

लोकसभा अध्यक्ष के निर्देश पर कोटा पहुंचा सेव लाइफ फाउंडेशन का प्रतिनिधिमंडल

हिलव्यू समाचार

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पहल पर संसदीय क्षेत्र कोटा-बूंदी में राजमार्गों को सुरक्षित बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। इन राजमार्गों पर सड़क हादसों का प्रमुख कारण बने ब्लैक स्पॉट को चिन्हित कर खामियां दूर की जाएगी। बिरला की पहल पर देशभर में सड़क परिवहन और राजमार्ग मन्त्रालय के निर्देशन में सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्था सेव लाइफ फाउंडेशन कोटा व बूंदी में ब्लैक स्पॉट करेगी। गत बुधवार को संस्था का प्रतिनिधिमंडल कोटा से गुजर रहे राजमार्गों का निरीक्षण करने के लिए कोटा पहुंचे। प्रतिनिधिमंडल ने सदस्यों व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पुत्री व आन्या फाउंडेशन की फाइंडर चेयरमेन अंजली बिरला ने एनएचआई के सहयोग से राजमार्गों पर ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण किया।

विस्तृत रिपोर्ट सौंपेगी टीमः नेशनल रोड सेफ्टी काउंसिल के

सदस्य व सेव लाइफ फाउंडेशन के सीइओ पीयूष तिवारी ने बताया कि ब्लैक स्पॉट पर रफ्तार सड़क दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण है। फाउंडेशन ग्राउंड सर्वे और डेटा एनालिसिस के माध्यम से रिपोर्ट तैयार कर केंद्र व राज्यों को उपलब्ध कराती है ताकि रिपोर्ट के आधार पर ब्लैक स्पॉट खत्म करने की दिशा में काम हो। सेव लाइफ फाइउंडेशन कोटा और बूंदी में ब्लैक स्पॉट को चिन्हित कर इनकी खामियां दूर करने के सुझाव के साथ विस्तृत रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय और मंत्रालय को सौंपेगी। इस दिशा में टीम ने बुधवार को एनएचआई के सहयोग से कोटा में राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर 6 स्थानों चिन्हित ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण किया गया।

अनियोजित विकास के चलते पूरा शहर जलमग्न, लोग घरों में क़ैद रहने को हुए मज़बूर: गुंजल

हिलव्यू समाचार

कोटा। पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल ने बयान जारी करते हुए कहा कि अनियोजित विकास के चलते चंद घंटों की बारिश में ही पूरा शहर जलमग्न हो गया । शहर की कोई गली, कोई मुख्य मार्ग ऐसा नहीं बचा जहां जलभराव नहीं हुआ हो। लोगों के घरों और दुकानों में पानी भर गया। जिससे उन्हें बड़ा नुकसान उठाना पड़ा। साथ ही शहरवासी घरों में क़ैद होने को मज़बूर हो गए। गुंजल ने कहा कि शहर को टूरिज्म सिटी बनाने व शहर के चहुमुखी विकास का ढिंढोरा पीटने वाली सरकार व मंत्री के दावों की चंद घंटों की बरसात में ही पोल खुल गई । शहर का नवनिर्मित जेडीबी चौराहा, नयापुरा चौराहा, गोबरिया बावड़ी चौराहा, पॉलिटेक्निक चौराहा सहित सभी चौराहों पर जलभराव होने, अंटाघर व गोबरिया बावड़ी अंडरपास में पानी भरने से यातायात प्रभावित हो गया। वही करोड़ों रुपए खर्च कर बनाए जा रहे रिवरफ्रंट के हालात भी किसी से छुपे नहीं है।

प्रभावित नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

जिला कलक्टर व पुलिस अधीक्षक ने किया जलभराव क्षेत्रों का निरीक्षण

हिलव्यू समाचार

कोटा। गत सप्ताह कोटा में भारी वर्षा हुई। पानी निकासी की व्यवस्था के साथ प्रभावित नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

लगातार वर्षा एवं कोटा बैराज से पानी की निकासी के कारण शहर के नीचले इलाकों एवं बस्तियों में जल भराव की स्थिति बन गयी। इन क्षेत्रों से नागरिकों को जिला प्रशासन द्वारा बनाये गये अस्थाई आश्रय स्थलों पर पहुंचाकर भोजन एवं आवास की व्यवस्थाऐं की गयीं। जिला कलक्टर ओपी बुनकर एवं पुलिस अधीक्षक शहर केसर सिंह ने जलभराव क्षेत्रों का दौरा कर पानी निकासी एवं प्रभावित क्षेत्रों से नागरिकों को सुरक्षित पहुंचाने का जायजा लिया।

जिला कलक्टर ने प्रभावित क्षेत्रों में पानी निकासी के लिए नगर निगम एवं नगर विकास न्यास की टीम को त्वरित कार्यवाही

कर व्यवस्था करने के निर्देश दिये। उन्होंने ऐसे क्षेत्रों से नागरिकों को अस्थाई आश्रय स्थलों पर पहुंचाकर भोजन, आवास आदि व्यवस्था करने के निर्देश दिये। उन्होंने चम्बल के आस-पास की बस्तियों में दौरा कर नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने का आव्हान किया।

पुलिस अधीक्षक शहर ने प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन, पुलिस एवं नगर निगम की टीम को संयुक्त रूप से भ्रमण कर नागरिकों को प्राथमिकता से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश दिये।

यहां किया निरीक्षण

अधिकारियो द्वारा कुन्हाडी स्थित बापू बस्ती, बालिता रोड, नयापुरा स्थित वाल्मीकि बस्ती, नयापुरा बस स्टेण्ड, खण्ड गावडी, नंदा जी बाडी, रेल्वे स्टेशन, संजय नगर, रेल्वे कॉलोनी, काला तालाब क्षेत्र के आवासीय कॉलोनियों, जवाहर नगर, देवली अरब, रायपुरा सहित शहर के पानी भराव वालें क्षेत्रों का निरीक्षण कर पानी निकासी के लिए नगर निगम की टीम को पम्प आदि लगाने, जेसीबी की सहायता से जल निकासी के अवरोधकों को हटाकर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इस दौरान अतिरिक्त कलक्टर शहर बीएम बैरवा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर प्रवीण जैन, आयुक्त नगर निगम वासुदेव मालावत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन द्वारा जलभराव क्षेत्रों से 1500 नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाकर 10 विद्यालयों एवं नगर निगम द्वारा बनाये गये 5 अस्थाई आश्रय स्थलों पर सुरक्षित पहुंचाया गया है। जिन्हें जिला रसद विभाग व नगर निगम की टीम द्वारा भोजन, आवास आदि की व्यवस्थाऐं की गई है।एसडीआरएफ, नगर निगम की टीम द्वारा इन जल भराव क्षेत्रों से नागरिकों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। विद्यालयों मे अवकाश रहा।

हिलव्यू समाचार में विज्ञापन एवं ख़बरों के लिए सम्पर्क करें...

हरीश श्रीवास्तव
सह संपादक, छबड़ा
+9461846059, 7976561127
असलम रोमी पत्रकार
विशेष संवाददाता कोटा
+91 99283 50279, 7976561127

एक नज़र

सृष्टि द वूमेंस क्लब ने मनाया नंदोत्सव और सीनियर सिटीजन डे

हिलव्यू समाचार

जयपुर। सृष्टि द वूमेंस क्लब ने सृष्टि लीनिस क्लब के साथ गांधीनगर स्थित एक होटल में बहुत ही धूमधाम के साथ नंदोत्सव और सीनियर सिटीजन डे मनाया। क्लब फाउंडर मधु सोनी ने बताया कि इस अवसर पर क्लब की सभी महिलाएँ बिल्कुल यशोदा मां की तरह सज कर आई साथ में अपने लड्डू गोपाल को भी सजा कर लाईं। अर्चना शर्मा की भजन मंडली ने भक्ति रस से सारा माहौल कृष्णमय कर दिया। क्लब उपाध्यक्ष कमलेश सोनी ने बताया कि बच्चे राधा कृष्ण बनकर आए। सभी सखियों ने हांडी का केक काटा एवं नृत्य किया। कृष्ण जन्मोत्सव की बधाई में सभी ने खूब लूट मचाई और दही हांडी फोड़ कर नन्हे कान्हा के साथ उपस्थित सभी क्लब मेंबर्स एवं सम्मानित मेहमानों ने माखन मिश्री का आनंद लिया। इस अवसर पर क्लब के सभी सीनियर सिटीजन नीलिमा, बृजेश पवार, रेनू अग्रवाल सहित 11 महिलाओं का सम्मान साड़ियां भेंट देकर किया गया। नंदोत्सव में अतिथि के रूप में श्रीमती पुष्पेंद्र भारद्वाज,स्नेहलता भारद्वाज,शांति भटनागर का सम्मान किया गया । क्लब फाउंडर मधु सोनी,उपाध्यक्ष कमलेश सोनी, सचिव रेनू खुराना,संरक्षक निशा सोनी,मंजू शर्मा अंजू वर्मा, सुनीता सोनी सांस्कृतिक मंत्री,नीलू गुप्ता ,पूर्णिमा सोनी ,मीनू शर्मा ,कल्पना शर्मा। इत्यादि का सभी ने हौसला बढ़ाया। अंत में माखन मिश्री का भोग एवं आरती के बाद सभी को प्रसादी वितरित की गई।कमलेश सोनी ने सभी का आभार प्रकट किया।

दिल्ली में 'इन्वेस्टर्स मीट एंड एमओयू साइनिंग सेरेमनी'

राज्य सरकार और निवेशकों के बीच 69,789 करोड़ के एमओयू

■ जयपुर में 7-8 अक्टूबर, 2022 को आयोजित होगा 'इन्वेस्ट राजस्थान'

■ मुख्यमंत्री ने कहा... निवेशक राज्य में औद्योगिक विकास के लिए दें सुझाव

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राजस्थान में औद्योगिक क्षेत्र स्थापना को लेकर अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकार द्वारा औद्योगिक विकास के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इससे निवेशकों को राज्य में निवेश करने में आसानी हुई है। यहां निवेशकों की समस्याओं को सुनना और प्रतिबद्धता के साथ उनका समयबद्ध निस्तारण करना राज्य सरकार की मुख्य प्राथमिकता है। वर्तमान में रिफाइनरी, पेट्रोकेमिकल्स, सौर ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा विकास आदि में भारी निवेश करने वाले राज्य के रूप में राजस्थान पूरे देश में अग्रणी राज्य बन गया है। राजस्थान निवेशकों के लिए उपलब्ध अनुकूल नीतिगत ढांचे से पहली पसंद बना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रीको द्वारा राजस्थान के प्रत्येक ब्लॉक में औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किए जा रहे हैं। एनसीआर का 25 प्रतिशत हिस्सा राजस्थान में होने से देशभर से बेहतर कनेक्टिविटी है। यहां कानून-व्यवस्था, बेहतरीन सड़कें तथा अनुकूल परिस्थितियों के साथ निवेश करने के लिए एक अग्रणी राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने कहा कि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर एवं दिल्ली मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का भी एक बड़ा हिस्सा राजस्थान से गुजरता है। इससे निवेशकों को बड़ा फायदा मिलेगा।

गहलोत जयपुर में 7 और 8 अक्टूबर को होने वाले 'इन्वेस्ट राजस्थान 2022' के तहत बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित एमओयू साइनिंग सेरेमनी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज हुए एमओयू सहित अब तक करीब 11 लाख करोड़ के एमओयू एवं एलओआई हो चुके हैं। राजस्थान में सांस्कृतिक एवं भौगोलिक विविधता के साथ-साथ अब निवेशकों की भी विविधता है। रिन्यूएबल एनर्जी, एग्रोप्रोसेसिंग, माइनिंग, ई-व्हीकल, सेरेमिक तथा ग्लास के क्षेत्र में निवेश इसके प्रमाण हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रिप्स के तहत निवेशकों को उनकी जरूरत के अनुसार पैकेज दिए जा रहे हैं। एमएसएमई-2019 के तहत नवीन उद्यम इकाइयों को 3 साल तक किसी सरकारी अनुमति की आवश्यकता नहीं होने के साथ वन स्टॉप शॉप प्रणाली से सभी सरकारी स्वीकृतियां एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, एमएसएमई एवं रिप्स सहित प्रत्येक सेक्टर के लिए पॉलिसी बनाई गई है।

गहलोत ने कहा कि जोधपुर जिले में 14 हजार एकड़ में फैला विश्व का सबसे बड़ा सौलर पार्क है। उन्होंने कहा कि जब मैं पहली बार मुख्यमंत्री बना, उस समय जैसलमेर में सिर्फ 2 मेगावाट विंड एनर्जी थी, वर्तमान में 5000 मेगावाट का उत्पादन हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में औद्योगिक क्षेत्र को और मजबूत करने के लिए सभी निवेशकों के सुझाव आमंत्रित हैं।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्रीमती शकुंतला रावत ने कहा कि डीएफसी कॉरिडोर एरिया का 40 प्रतिशत और डीएमआईसी का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा राज्य से गुजरता है। सबसे बड़े राज्य और स्ट्रेटेजिक स्थिति के चलते राजस्थान निवेश की विशाल संभावनाएं प्रदान करता है। निवेश को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में वन स्टॉप शॉप, राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन स्कीम 2019, फैसिलिटेशन ऑफ इस्टेब्लिशमेंट एंड ऑपरेशन एक्ट जैसे अनेक कदम उठाए हैं।

राजस्थान लघु उद्योग निगम लिमिटेड के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा ने कहा कि निवेश के लिए राजस्थान सर्वश्रेष्ठ स्थान बन गया है। राजस्थान को अब अवसरों की भूमि कहा जाता है। राजस्थान में एक ही पोर्टल पर निवेशकों को विभिन्न अनुमोदन प्राप्त हो रहे हैं। राज्य सरकार जयपुर में नए कार्गो कॉम्प्लेक्स, एक्सपोर्ट क्लियरेन्स के लिए नवीन फैसिलिटी और उदयपुर में नए कार्गो कॉम्प्लेक्स, बीकानेर में आईसीडी के साथ राजस्थान के विकास की दिशा में कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नई दिल्ली में राज्य सरकार और निवेशकों के बीच 69,789.93 करोड़ रुपए के एमओयू हुए। इससे राज्य में कुल 11846 प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। इनमें अवड्डा पावर द्वारा ग्रीन हाइड्रोजन और अमोनिया प्रोजेक्ट पर लगभग 40,000 करोड़ रुपये, ओ2 पावर एसजी पीटीई द्वारा अक्षय ऊर्जा एवं सौर ऊर्जा सेक्टर में 25,000 करोड़ रुपये, असाही इंडिया ग्लास लिमिटेड द्वारा 1400 करोड़ रुपये, सेंट गोबेन द्वारा 1000 करोड़ रुपये के निवेश से फ्लोट ग्लास मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट की स्थापना के प्रस्ताव हैं। वरुण बेवरेजेज लिमिटेड द्वारा 636 करोड़ रुपये की कार्बोनेटेड सॉफ्ट-ड्रिंक्स, फ्रूट-ज्यूस एवं पैकेजिंग प्रोडक्ट्स की मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट स्थापित की जायेगी। विप्रो जयपुर में हाइड्रोलिक सिलेंडर प्रोजेक्ट में 200 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

बिजली उपभोक्ताओं को जल्द ही लग सकता है बिल बढ़ने का झटका

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। प्रदेश में आम उपभोक्ताओं की बिजली की दरों में जल्द ही बढ़ोतरी होने की संभावना है। इस संबंध में तीनों विद्युत वितरण कंपनियों की ओर से राजस्थान राज्य विद्युत नियामक आयोग में याचिका दायर की गई है। इसमें बिजली के स्थाई शुल्क में बढ़ोतरी के साथ ही प्रति यूनिट बिजली की दरों में भी करीब दो फीसदी तक की बढ़ोतरी किए जाने का निवेदन किया गया है। प्रदेश की जयपुर, जोधपुर और अजमेर डिस्कॉम की ओर से वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए वार्षिक राजस्व याचिका दायर की गई है। इस याचिका में आगामी राजस्व घाटे को देखते हुए बिजली के स्थाई शुल्क और प्रति यूनिट ऊर्जा शुल्क में बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया गया है। **हितधारक ने मांगी थी जानकारी:** बिजली कंपनियों की ओर से वर्तमान वित्तीय वर्ष में बिजली की दरों को लेकर किए जाने वाले प्रस्तावित परिवर्तन को लेकर हितधारक समता पावर के निदेशक बीएम सनाढ्य की ओर से वितरण कंपनियों से जानकारी मांगी गई थी।

इतना हो रहा घाटा

याचिका में तीनो वितरण कंपनियों को वित्तीय वर्ष 2021-22 वित्तीय घाटा या राजस्व का अंतर 4582 करोड़ रुपए और वर्ष 2022-23 वित्तीय या राजस्व का अंतर 4861 करोड़ रुपए बताया गया है। दोनों सालों में कंपनियों का कुल घाटा 9443 करोड़ रुपए रहेगा।

इतनी हो सकती है बढ़ोतरी: प्रदेश में विद्युत कंपनियों की ओर से कृषि, घरेलू, अघरेलू, उद्योग श्रेणियों के लिए अलग-अलग प्रति यूनिट का टैरिफ जारी किया हुआ है। इस टैरिफ में दो फीसदी उर्जा शुल्क की बढ़ोतरी से प्रति यूनिट बिजली में 15 से तीस पैसे तक की बढ़ोतरी होने की संभावना है।

सीआईडी सीबी ने पकड़ी नशे की बड़ी खेप

विशाखापट्टनम से 3 करोड़ कीमत का 1205 किलो गांजा लाते तीन तस्कर गिरफ्तार

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राजस्थान पुलिस की सीआईडी सीबी जयपुर की टीम ने चित्तौड़गढ़ जिले के कपासन थाना क्षेत्र में गुरुवार रात स्थानीय पुलिस के सहयोग से विशाखापट्टनम से ट्रक कन्टेनर में तस्करी कर लाया जा रहा 1205 किलो गांजा बरामद करते हुए 3 तस्करों को गिरफ्तार करवाया है। प्लास्टिक की 364 थैलियों में भरकर गांजा ला रहे तस्कर राजस्थान के भीलवाड़ा जिले और हरियाणा में स्थानीय तस्करों को इसे सप्लाई करने वाले थे। पकड़े गए गांजा की कीमत करीब 3 करोड़ रुपए आंकी गई है। डाक पार्सल लिखे कंटेनर से अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की जा रही थी। एडीजी क्राइम डॉ रविप्रकाश मेहरडा ने बताया कि तस्कर राजू पुरी गोस्वामी पुत्र कैलाश पुरी निवासी वार्ड नंबर 3 भगवानपुरा थाना मांडल जिला भीलवाड़ा, जितेंद्र पुरोहित पुत्र मदनलाल (23) निवासी दादा थाना सायला जिला जालौर एवं प्रहलादराय सोनी पुत्र राजमल (54) निवासी सुनारों का मोहल्ला भगवानपुरा थाना मांडल जिला भीलवाड़ा को गिरफ्तार किया गया है। इन तस्करों

की हर गतिविधियों पर सीआईडी सीबी की टीम पिछले दो-तीन महीनों से नजर रख रही थी। इसी दौरान बुधवार को विशाखापट्टनम से भीलवाड़ा भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के इनपुट मिले।

आसूचना से प्राप्त इनपुट पर सीआईडी क्राइम ब्रांच स्पेशल टीम प्रभारी डीएसपी पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ के सुपरविजन एवं पुलिस निरीक्षक राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल शंकर दयाल शर्मा एवं कॉन्स्टेबल रविंद्र सिंह, सोहन देव व करणी सिंह की एक टीम गठित कर बुधवार शाम चित्तौड़गढ़ की ओर रवाना की गई। टीम को सूचना मिली कि गुरुवार को तस्कर बन्द बॉडी कन्टेनर में गांजा तस्करी कर सांवरियाजी से भादसोड़ा होकर कपासन की ओर आ रहे हैं।

कपासन थाना क्षेत्र में नाकाबंदी में पकडा ट्रक कंटेनर: एडीजी क्राइम ने बताया कि सीआईडी सीबी की टीम ने इस सूचना पर गुरुवार रात को थानाधिकारी कपासन फूलचंद के सहयोग से थाना क्षेत्र के रोलिया कॉलपुरा रोड पर स्वामी विवेकानंद राजकीय स्कूल के पास नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान संदिग्ध कंटेनर को रुकवाया गया। चालक सीट पर बैठे राजू पुरी और बगल में बैठे जितेंद्र पुरोहित और प्रहलादराय सोनी से पूछताछ की तो वे घबरा गये। सख्ती से पूछताछ की गई तो उन्होंने कंटेनर में प्लास्टिक की वेस्ट बोतलों की आड़ में विशाखापट्टनम से गांजा तस्करी कर लाना बताया।

364 प्लास्टिक की थैलियों से जब्त किया 1205 किलो गांजा: रात होने एवं अंधेरा होने से तीनों अभियुक्तों को डिटेन कर कंटेनर को थाना परिसर लाया गया जहां तलाशी ली गई आरोपियों के पास तीन कीपैड मोबाइल, 2 एंड्राइड मोबाइल कुल 900 रुपये एवं कंटेनर में प्लास्टिक की वेस्ट बोतलों के बीच और आगे की तरफ छुपा कर 364 प्लास्टिक की थैलियों में भरा 1205 किलो 600 ग्राम गांजा मय बारदाना मिला।

भीलवाड़ा और हरियाणा में सप्लाई होना था गांजा : अवैध मादक पदार्थ गांजा से भरे ट्रक कंटेनर को जप्त कर तीनों तस्करों को एनडीपीएस एक्ट के तहत कपासन पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया। अग्रिम अनुसंधान के लिए प्रकरण गंगधार पुलिस को सौंपा गया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि ट्रक कंटेनर में तस्कर राजू पुरी और प्रह्लाद राय सोनी का माल था। इसकी सप्लाई भीलवाड़ा और हरियाणा में की जानी थी। इन दोनों तस्करों के विरुद्ध पूर्व में भी गांजा तस्करी के प्रकरण दर्ज हुए है।

जयपुर म्यूजिक फेस्टिवल 2022 का आयोजन सम्पन्न

हिलव्यू समाचार

जयपुर। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में जयपुर संगीत महाविद्यालय द्वारा जयपुर म्यूज़िक फेस्टीवल 2022 का जवाहर कला केन्द्र के रंगायन सभागार में आयोजन किया गया । समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार में केबिनेट मंत्री श्री प्रताप सिँह खाचरियावास, सम्माननीय अतिथि डा अर्चना शर्मा जी तथा वी एल टी ग्रूप की चैयरमेन श्रीमति ललिता वैष्णव जी तथा समारोह अध्यक्ष राजेश मेहता तथा जयपुर संगीत महाविद्यालय के निदेशक राम शर्मा ने दीप प्रज्वलन कर रंगारंग संध्या का शुभारंभ किया। जयपुर संगीत महाविद्यालय की ओर से निदेशक श्री राम शर्मा, कोषाध्यक्ष श्रीमती रानू शर्मा ने अतिथिगण का माल्यार्पण कर अभिनन्दन किया । वर्ष 2016 से संगीत के उन्नयन और विकास के प्रति समर्पित जयपुर संगीत महाविद्यालय ने अबतक 4000 विध्यार्थियो को संगीत की विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षण दिया है । कार्यक्रम का प्रायोजन, वी एल टी ग्रुप ने किया । समारोह में जयपुर संगीत महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने गायन वादन नृत्य की विभिन्न विधाओं से समां बाँधा । समारोह में सुप्रसिद्ध नर्तक श्री विशाल कृष्णा ने अपनी मनोहरी प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीता साथ ही भरतनाट्यम और राजस्थानी लोक नित्य की प्रस्तुति ने सभागार को गुंजायमान बना दिया इसी श्रृंखला में मत कर माया को अभिमान एवम जल को बचाने के लिए जलगीत के द्वारा उसकी महतवस्ता बताई गयी .मुख्य अतिथि माननीय प्रताप सिँह जी तथा विशिष्ट अतिथि गण ने प्रस्तुतियों की सराहना करते हूऐ समाज में कला एवम संस्कृति के विकास हेतु संगीत महाविद्यालय के प्रयत्नों को सराहा । समारोह का मंच संचालन सुप्रसिद्ध कवि तथा वरिष्ठ रंगकर्मी राजेश आचार्य ने किया । समोराह के दौरान जयपुर क्षेत्र के सात युवा कलाकारों को भी सम्मानित किया क्या जिनमे रीना प्रधान , चेतन जवड़ा , भवदीप जवड़ा , नीलम रावत, प्रीति भार्गव, विशाल कृष्णा (बनारस) को नृत्य शिरोमणि अवार्ड 2022 एवं अजय चौधरी को सुरमणी अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में संगत कलाकारों में सितार पर हरी हर शरण भट्ट , सारंगी पर अमीरुद्दीन खान , तबला पर अमीर खान , अभिषेक मिश्रा (बनारस), गायन पर जयवर्धन दाधीच ने अहम् भूमिका निभाई।

राजस्थान आवासन मण्डल की एक और शानदार उपलब्धि

मानसरोवर एवं प्रताप नगर चौपाटी में पहले 5 माह में 6.10 लाख लोगों के फुट-फॉल को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने दी मान्यता

पुदुचेरी की पूर्व उप राज्यपाल डॉ. किरण बेदी ने दिया सम्मान

मण्डल की सफलता सामूहिक प्रयासों का प्रतिफल - आवासन आयुक्त

हिलव्यू समाचार

जयपुर। आवासन मण्डल आयुक्त श्री पवन अरोडा ने बताया कि राजस्थान आवासन मण्डल ने अपने कीर्तिमानों की कडी में एक और शानदार उपलब्धि हासिल की है। मण्डल द्वारा विकसित मानसरोवर एवं प्रताप नगर चौपाटी में नवम्बर, 2021 से मार्च, 2022 के दौरान पहले 5 माह में 6 लाख 10 हजार 670 लोगों के प्रवेश (फुट-फॉल) को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने अन्तर्राष्ट्रीय कीर्तिमान के रूप में मान्यता दी है। वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की ओर से इन्दौर के होटल जे.डब्ल्यू. मैरियट में सोमवार को आयोजित समारोह में पुदुचेरी की पूर्व उप राज्यपाल डॉ. किरण बेदी और उदयपुर पूर्व राजघराने के सदस्य श्री लक्ष्यराज सिंह मेवाड ने मण्डल को यह पुरस्कार प्रदान किया। आवासन मण्डल की ओर से उप आवासन आयुक्त (मुख्यालय) श्री विजय अग्रवाल ने प्रमाण-पत्र और पुरस्कार ग्रहण किया।

इस अनूठी उपलब्धि पर आवासन आयुक्त श्री पवन अरोडा ने दोनों चौपाटियों को विकसित एवं संचालित करने वाली मण्डल की टीम, चौपाटियों के दुकानदारों, लाइव बैंड परफॉर्मेंस देने वाले आर्टिस्टों आदि को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से मानसरोवर एवं प्रताप नगर चौपाटी न केवल जयपुरवासियों बल्कि यहां आने वाले लाखों देशी-विदेशी सैलानियों के आकर्षण का केन्द्र बन गई हैं।

इस समारोह में स्विट्जरलैंड, यूनाइटेड किंगडम, अमेरिका, बांग्लादेश, मॉरिशस, नेपाल सहित अन्य देशों के प्रतिनिधि तथा वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के प्रेसिडेंट एवं सीईओ श्री संतोष शुक्ला एवं हैड ऑफ यूरोप श्री विलहेम जेजलर भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व वर्ष 2020 में बुधवार नीलामी उत्सव के तहत मात्र 12 दिन में 185 करोड़ रूपये मूल्य की 1213 सम्पत्तियों के विक्रय तथा वर्ष 2019 में मात्र 35 कार्यदिवसों में 1010 मकान बेचने की उपलब्धि को भी वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स् लंदन ने कीर्तिमान के रूप में स्थान दिया था। बीते करीब 3 वर्षों में आवासन मण्डल को इण्डियन बिल्डिंग कांग्रेस, नेशनल रियल एस्टेट काउंसिल नई दिल्ली, स्कॉच ग्रुप आदि संस्थाओं से कई पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त हो चुके हैं।

ग्रेटर निगम के तीन पार्षद बर्ख़ास्त

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राज्य सरकार ने नगर निगम ग्रेटर में निलंबित तीन पार्षदों को बर्खास्त कर दिया है। इन्हें आयुक्त यज्ञमित्र सिंह देव के साथ मारपीट, धक्का-मुक्की और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का दोषी मानते हुए निलंबित किया गया था। आदेशों के मुताबिक वार्ड 72 से भाजपा के पार्षद पारस जैन, वार्ड 39 से अजय सिंह और वार्ड 103 से निर्दलीय शंकर शर्मा को बर्खास्त किया गया है। ये तीनों न्यायिक जांच में भी दोषी पाए गए थे। वहीं मेयर सौम्या गुर्जर पर भी न्यायिक जांच की रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश करने के बाद सरकार एक्शन लेगी।

रिक्त सीटों पर पुनः होंगे चुनाव: राज्य सरकार से जारी आदेशों के बाद अब ये तीनों पार्षद अगले 6 साल तक चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। इन तीनों पार्षदों को अब चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया है। इनके हटने के बाद खाली हुई सीट पर दोबारा चुनाव करवाए जाएंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव, **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव (छबड़ा बारां) **विशेष संवाददाता:** असलम रोमी (कोटा) मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)

एक नज़र

Gender Neutral Rape Laws: Not As Simple As You Might Think

ADITYA RAJ

After the Nirbhaya Rape case in Delhi, a committee led by Justice Verma, a former Chief Justice of the Supreme Court, was established in December 2012 to make recommendations for amendments to the Criminal Law that would expedite the legal process and strengthen punishment for those found guilty of sexual assault against women. Justice Leila Seth, a former High Court judge, and Gopal Subramanium, a former Solicitor General of India, were the other members of the Committee.

On January 23, 2013, the Committee submitted its report. It included suggestions for changes to the law pertaining to rape, sexual assault, trafficking, child sexual abuse, victim medical examinations, police, and electoral and educational reforms but the government rejected their recommendations and passed legislation making rape a crime against both sexes, making it gender neutral.

What followed was a lot of backlash from feminist groups. It is important to note that gender neutrality was not the only reason why there was a backlash, but also because they did not take any of the recommendations from the Committee, including recognising marital rape and keeping the age of consent at 16. Marital rape is still, even in 2022, not recognised by our constitution.

Prominent women's rights advocate Flavia Agnes also voiced concern against the bill, "I oppose proposal to make rape laws gender-neutral." she also added that women's groups had also protested against gender neutral Child Sexual Abuse laws.

Do boys not get abused?

India had pledged to safeguard its children from all types of sexual exploitation and abuse when it ratified the United Nations Convention on the Rights of the Child in 1992. The first extensive government-sponsored research study to evaluate the scope and form of child abuse in India was commissioned as a result of growing concerns about female infanticide, child rapes, and institutional abuse of children. Shockingly, a government- commissioned survey revealed that more than 53% of Indian youngsters experience sexual abuse or assault. With almost half of the victims of child sexual abuse being boys.

In 2012, Delhi advocate Vrinda Grover said: "Why should rape laws be gender neutral? There are no instances of women raping men."

Do men not get raped by women?

There is a misconception that men are more likely to be raped by other men. This misconception originates from rape statistics in the USA. In truth, the States' definition of rape is flawed, it does not consider "made to penetrate" as rape. For male victims, the sex of the perpetrator varied by the type of sexual violence experienced.

THE MAJORITY OF MALE RAPE VICTIMS (93.3%) REPORTED ONLY MALE PERPETRATORS.

FOR THREE OF THE OTHER FORMS OF SEXUAL VIOLENCE, A MAJORITY OF MALE VICTIMS REPORTED ONLY FEMALE PERPETRATORS: BEING MADE TO PENETRATE (79.2%), SEXUAL COERCION (83.6%), AND UNWANTED SEXUAL CONTACT (53.1%).

FOR NON-CONTACT UNWANTED SEXUAL EXPERIENCES, APPROXIMATELY HALF OF MALE VICTIMS (49.0%) REPORTED ONLY MALE PERPETRATORS AND MORE THAN ONE-THIRD (37.7%) REPORTED ONLY FEMALE PERPETRATORS.

5,451,000 men reported being 'forced to penetrate' in their lifetime while 1,581,000 men were 'penetrated by someone else', hence around four times more men are made to penetrate than that are penetrated by someone else in the US. If 'made to penetrate' is also considered as rape, which it is, then the majority of male rape victims are raped by women.

Unfortunately we have no data at all for male rape victims in India. Hence the situation can only be assessed based on speculations and analogies. The countries are on extremely different stages of gender equality, but it should give us some context.

Another reason why feminists opposed gender neutral rape laws is because they believed that if the laws are not gender-specific, the perpetrator can file a counter-case against the victim to mislead the court. Intimidating the victims into taking their complaint back.

Instead they argued in favour of the perpetrator being gender specific and the victim being gender neutral.

There is little evidence to support or disprove this claim, however this is an opinion shared by many lawyers and judges, including justices from the Supreme Court. Holding the view that the Indian society is not yet ready for gender neutral rape laws. They believe that there should be separate laws, instead, where complaints can be filed against women when there is a clear power dynamic, such as hostel wardens, or teachers and so on.

They hold that the men who benefit from gender neutral rape laws are much fewer than the women who will have to suffer. Female on Male rape victims are likely to be statistically quite small. On the other hand around 3 million women face sexual violence every year and 99% of those cases are never reported.

This is the trolley problem. If rape laws are made gender neutral then it will give a course of justice to male rape victims, but will also

harm female victims by giving more legal avenues to the rapist. On the other hand, if the rape laws are gender specific, then it will deny justice to female on male rape victims. And as is the trolley problem, you run over the side with fewer bodies ...

... right?

Well however you may choose to answer this moral paradox, the centre repealed the bill. According to the Indian penal code, men cannot be raped. Not even by other men; though they do have a legal course to justice via sodomy laws. When in 2018 activists tried to make rape laws gender neutral once again, the centre said that rape laws cannot be gender neutral after 'consultation with Women's Groups'.

This topic is still a matter of debate amongst feminist groups; with the younger and inter-sectionalist generation being in favour of gender neutral laws, while the older and experienced one argues against it, holding the view that India is just not ready.

गडकरी ने आलोचकों पर साधा निशाना, क़ानूनी कार्रवाई की चेतावनी

हिलव्यू समाचार

नई दिल्ली। ड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को अपने आलोचकों और मीडिया के एक वर्ग पर निशाना साधते हुए कहा कि राजनीतिक फायदे के लिए उनके बयानों को गलत तरह से पेश किया जा रहा है। अपने बयानों को लेकर अक्सर खबरों में रहने वाले गडकरी को पिछले सप्ताह भाजपा संसदीय बोर्ड से हटा दिया गया था। गडकरी ने ट्वीट किया, एक बार फिर मुख्यधारा के मीडिया, सोशल मीडिया के एक वर्ग और कुछ लोगों द्वारा राजनीतिक फायदे के लिए मेरे खिलाफ घृणित और मनगढ़ंत अभियान जारी रखने के प्रयास किए जा रहे हैं और सार्वजनिक समारोहों में मेरे बयानों को बिना सही संदर्भ के पेश किया जा रहा है। गडकरी ने मंगलवार को एक पुस्तक विमोचन समारोह में दिए गए अपने भाषण के यूट्यूब लिंक को ट्वीट किया जिसका सोशल मीडिया पर इस्तेमाल किया जा रहा है। गडकरी ने भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा और प्रधानमंत्री कार्यालय को टैग करते हुए ट्वीट किया, मैं ऐसे तत्वों के इस तरह के दुर्भावनापूर्ण एजेंडे से कभी परेशान नहीं हुआ लेकिन सभी संबंधित लोगों को चेताया जा रहा है कि इस तरह की शरारत जारी रही तो मैं सरकार, पार्टी और अपने लाखों परिश्रमी कार्यकर्ताओं के व्यापक हित में कानून का रास्ता अपनाने में संकोच नहीं करुंगा।

गडकरी का दावा

ऐसे तोड़ा मरोड़ा मेरा बयान

अक्सर पार्टी और संगठन से जुड़ी कहानियां सुनाने वाले गडकरी ने पुस्तक विमोचन समारोह में एक पुरानी घटना का उल्लेख किया जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र के एक गांव में सड़क बनाने का जिम्मा लिया था और संबंधित अधिकारी को कहा था कि अगर वह उनके साथ खड़ा रहा तो सही है लेकिन अगर ऐसा नहीं भी होता तो उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने इस बातचीत का जिक्र करते हुए कहा, मुझे नतीजों की चिंता नहीं है लेकिन मैं यह काम करुंगा। अगर मुमकिन है तो मेरे साथ रहो, वरना मुझे कोई परेशानी नहीं है। इस बयान को सोशल मीडिया पर इस तरह से पेश किया जा रहा है कि गडकरी को अपना पद खोने की कोई चिंता नहीं है।

आप नेता संजय सिंह ने किया ट्वीट

आप सांसद संजय सिंह ने वीडियो ट्वीट करके पूछा था कि गडकरी ऐसा क्यों कह रहे हैं।, भाजपा में बहुत बड़ी गड़बड़ चल रही है। गडकरी का ट्वीट भी गुरुवार को तब आया है जब एक प्रमुख अखबार की खबर में भाजपा के कई वरिष्ठ सूत्रों के हवाले से लिखा गया है कि पूर्व भाजपा अध्यक्ष को कुछ अलग और सुर्खियों में रहने वाले बयान देने की प्रवृत्ति के लिए संसदीय बोर्ड से हटाया गया है।

आप ने 20-20 करोड़ रुपए की पेशकश का आरोप दोहराया, कहा...

हरियाणा-पंजाब को मिली स्वास्थ्य के क्षेत्र में बड़ी सौगात

स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए एक साथ छह मोर्चों पर काम: पीएम

मोहाली/फरीदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को हरियाणा और पंजाब के दौरा किया और दोनों राज्यों को एक -एक चिकित्सा केंद्रों की सौगात दी। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीब से गरीब व्यक्ति को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए केंद्र सरकार एक साथ छह मोर्चों पर काम कर रही है और रिकॉर्ड निवेश कर रही है। मोहाली में होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन करने के बाद मोदी ने कहा कि भारत में स्वास्थ्य के क्षेत्र में जितना काम पिछले आठ साल में हुआ है उतना पिछले 70 वर्षों में भी नहीं हुआ है। वहीं हरियाणा के फरीदाबाद में पीएम ने 6,000 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से बने 2,600 बिस्तरों वाले अमृता अस्पताल का उद्घाटन किया। इस अस्पताल का प्रबंधन माता अमृतानन्दमयी मठ द्वारा किया जाएगा। अस्पताल में शुरुआत में 500 बेड की व्यवस्था रहेगी और अगले पांच वर्षों में इसे चरणबद्ध तरीके से विकसित किया जाएगा।

आरोग्य और आध्यात्म एक दूसरे से जुड़े हुए

पीएम ने फरीदाबाद में अमृता अस्पताल का उद्घाट करने के बाद कहा कि भारत में आरोग्य और आध्यात्म एक दूसरे से जुड़े हुए हैं और देश में कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान आध्यात्मिक-निजी भागीदारी का सफल उदाहरण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृता अस्पताल का ये प्रकल्प देश के दूसरे सभी संस्थाओं के लिए एक आदर्श बनेगा। हमारे कई दूसरे धार्मिक संस्थान इस तरह की संस्थाएं चला भी रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान मंच पर मौजूद अम्मा के नाम से प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु माता अमृतानंदमयी देवी को मोदी ने झुककर प्रणाम किया तो उन्होंने उनपर गुलाब के फूल बरसाए। उद्घाटन समारोह में हरियाणा के राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय, मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, केंद्रीय मंत्री व फरीदाबाद के सांसद कृष्ण पाल गुर्जर, माता अमृतानंदमयी देवी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इन मोर्चों पर हो रहा है काम

पीएम मोदी ने मोहाली में अपने संबोधन में स्वास्थ्य मोर्चे पर कार्यों की चर्चा करते हुए प्रीवेंटिव हेल्थ केयर यानी बीमारी से बचाव को बढ़ावा दिए जाने को पहला और गांवों में छोटे और आधुनिक अस्पताल खोले जाने को दूसरा मोर्चा बताया। उन्होंने शहरों में मेडिकल कॉलेज और शोध वाले बड़े संस्थान खोलना, देश भर में चिकित्सकों और पैरामेडिकल कर्मियों की संख्या बढ़ाना, मरीजों को सस्ती दवाइयां व सस्ते उपकरण उपलब्ध कराने और प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करके मरीजों को होने वाली मुश्किलें कम करने को अन्य चार मोर्चे बताया, जिन पर सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा, इस पर केंद्र सरकार रिकॉर्ड निवेश कर रही है... हजारों करोड़ रुपए खर्च कर कर रही है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भगवंत मान, राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित, उपस्थित थे। इस अस्पताल का 660 करोड़ रुपए की लागत से टाटा मेमोरियल सेंटर ने निर्माण किया है। यह परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत सहायता-प्राप्त संस्थान है। यह अस्पताल तृतीयक स्तर का अस्पताल है, जिसकी 300 बिस्तरों की क्षमता है। यह पूरे क्षेत्र में कैंसर सुविधा और उपचार के लिए केंद्र के रूप में और संगरूर में 100 बिस्तरों वाला अस्पताल इसकी शाखा के रूप में कार्य करेगा।

भाजपा ने 40 MLA को निशाना बनाया, कहाँ से आए 800 करोड़

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि उसके दिल्ली के 40 विधायकों को भाजपा ने निशाना बनाया है और उन्हें पाला बदलने के लिए 20-20 करोड़ रुपए की पेशकश की गई है जबकि सभी 62 विधायक पार्टी के साथ हैं। दूसरी ओर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से गुरुवार को बुलाई गई बैठक में पार्टी के 62 में से 53 विधायकों ने शिरकत की।

यह बैठक भाजपा की ओर से विधायकों को तोड़ने की कथित कोशिश के बारे में चर्चा करने के लिए बुलाई गई थी। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। 'आप' के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मुख्यमंत्री और पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल के घर पर बुलाई गई बैठक में 53 विधायकों ने शिरकत की जिनमें केजरीवाल भी शामिल हैं। वहीं सात विधायक दिल्ली से बाहर हैं जबकि मंत्री सत्येंद्र जैन जेल में हैं। उन्होंने कहा कि ओखला से विधायक अमानतुल्ला खान फोन के जरिए बैठक में शामिल हुए। बैठक के बाद भाजपा के 'ऑपरेशन लोटस' की विफलता की प्रार्थना के लिए केजरीवाल के नेतृत्व में 'आप' विधायक महात्मा गांधी की समाधि राजघाट पहुंचे।

केजरीवाल ने भी उठाया सवाल

केजरीवाल ने भी 800 करोड़ रुपए के स्रोत पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, सीबीआई ने मेरे उपमुख्यमंत्री के घर के गद्दों और दीवारों तक की तलाशी ली लेकिन एक रुपया भी ऐसा नहीं मिला जिसका हिसाब न हो। उन्होंने दावा किया, सीबीआई के छापे के एक दिन बाद भाजपा ने सिसोदिया से संपर्क किया और उन्हें सीएम पद की पेशकश की और उनसे केजरीवाल को धोखा देने को कहा।

भाजपा ने आरोपों को किया ख़ारिज

भाजपा ने 'आप' के विधायकों को तोड़ने के आरोपों को खारिज किया और इसे केजरीवाल नीत पार्टी का लोगों की सहानुभूति हासिल करने का हथकंडा करार दिया। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि 'आप' लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है । उन्होंने दिल्ली की आबकारी नीति पर केजरीवाल की चुप्पी पर सवाल उठाया।

हिंदी में क्षमा शर्मा समेत 22 भाषाओं के लेखक-लेखिकाएं होंगे पुरस्कृत

दाधीच को राजस्थानी के लिए मिलेगा बाल साहित्य पुरस्कार

एजेंसी । नई दिल्ली

साहित्य अकादमी ने हिंदी में क्षमा शर्मा को बाल साहित्य पुरस्कार तथा भगवंत अनमोल को युवा साहित्य पुरस्कार दिए जाने की बुधवार को घोषणा की। राजस्थानी में विश्वामित्र दाधीच को उनके कविता संग्रह 'माछलयां रा आंसू' के लिए बाल साहित्य पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाएगा। कुल 22 भाषाओं के लेखकों-लेखिकाओं को बाल साहित्य पुरस्कार 2022 दिए जाने की घोषणा की है जबकि 23 भाषाओं के लेखक-लेखिकों को युवा साहित्य पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

अकादमी के सचिव के श्रीनिवास राव ने बताया कि क्षमा शर्मा को क्षमा शर्मा की चुनिंदा बाल कहानियां के लिए प्रतिष्ठित बाल साहित्य पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

उर्दू में कमाली को उनके कविता संग्रह 'हौंसलों की उड़ान' तथा अंग्रेजी में अर्शिया सत्तार को उनके 'महाभारत फॉर चिल्ड्रन' के लिए इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि संस्कृत में कुलदीप शर्मा को उनके कविता संग्रह 'सचित्रम् प्रहेलिकाशतकम् (अभिनवसंस्कृतप्रहेलिकाः)' के लिए, राजस्थानी में विश्वामित्र दाधीच को उनके कविता संग्रह 'माछलयां रा आंसू' के लिए और बांग्ला में जय मित्र को उनके कहानी संग्रह 'चार पांच जोन बोंधु' के लिए बाल साहित्य पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाएगा। मराठी में संगीता बर्वे को उनके उपन्यास 'पियूची वही' के लिए सम्मानित दिया जाएगा।

साहित्य अकादमी पुरस्कार

राव ने बताया कि हिंदी में अनमोल को उनके उपन्यास 'प्रमेय' के लिए, उर्दू में मकसूद आफाक को उनके कविता संग्रह 'गिरयाह' के लिए और अंग्रेजी में मिहिर वत्स को उनके यात्रा वृतांत 'टेल्स ऑफ हज़ारीबाग के लिए साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

युवा पुरस्कार

कविता संग्रहों के लिए बांग्ला में सुमन पतारी को 'लिखे किछु होय ना' के लिए, पंजाबी में संधू गगन को 'पंजतीले' के लिए और संस्कृत में श्रुति कानिटकर को 'श्रीमतीचरित्रम्' के लिए युवा पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

जब नोएडा ट्विन टावर ज़मींदोज़ हो सकता है तो देश की हर अवैध बिल्डिंग ध्वस्त की जा सकती है किंतु सिर्फ़ ईमानदार शासन-प्रशासन और जागरूक जनता की इच्छा शक्ति पर

शालिनी श्रीवास्तव

आज 28 अगस्त दोपहर को ढाई बजे नोएडा के सेक्टर-93 स्थित दोनों सुपरटेक ट्विन टावरों को गिरा दिया जाएगा। इसके पीछे रह रहे रहवासियों को मिल जाएगी आज के बाद धूप और हवा। इन अवैध टावरों के ध्वस्तीकरण की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। 32 मंजिला इस इमारत को गिराने के लिए विस्फोटक लगाने का काम भी पूरा हो चुका है।बिल्डिंग को गिराने के लिए लगभग 3,700 किलो विस्फोटक लगाया गया इसीलिए क्सप्रेस-वे पर कुछ देर के लिए ट्रैफिक बंद रहेगा। आसपास की बिल्डिंग में रहने वाले लोगों को भी कहा गया है कि वे आज दिन भर के लिए अपने घर खाली कर दें।

दोनों सुपरटेक ट्विन टावरों को क्यों गिराया जा रहा है?

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद इन टावरों को गिराने की कार्रवाई की जा रही है।

दरअसल इन टावरों को निर्माण शर्तों का उल्लंघन कर किया गया था। बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन करने का ख़ामियाज़ा यह टावर कम्पनी भुगत रही है। नोएडा के सेक्टर-93 स्थित 40 मंजिला ट्विन टावरों का निर्माण 2009 में हुआ था। सुपरटेक के दोनों टावरों में 950 से ज्यादा फ्लैट्स बनाए जाने थे लेकिन बिल्डिंग के प्लान में बदलाव करने का आरोप लगाते हुए कई खरीदार 2012 इलाहाबाद हाईकोर्ट चले गए ।इसमें 633 लोगों ने फ्लैट बुक कराए थे जिनमें से 248 रिफंड ले चुके हैं और 133 दूसरे प्रोजेक्ट्स में शिफ्ट हो गए लेकिन 252 ने अब भी निवेश किया हुआ था। साल 2014 में नोएडा प्राधिकरण को जोरदार फटकार लगाते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ट्विन टावर को अवैध घोषित करते हुए उन्हें गिराने का आदेश दे दिया था तब सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी किंतु बाद में सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे गिराने का आदेश दिया।

नोएडा के सेक्टर-93 ए में एक हाउसिंग सोसाइटी के निर्माण के लिए नवंबर 2004 में नोएडा विकास प्राधिकरण सुपरटेक को जमीन का एक भूखंड आवंटित किया। 2005 में न्यू ओखला औद्योगिक विकास क्षेत्र भवन विनियम और निर्देश, 1986 के तहत भवन योजना को मंजूरी मिली।जिसके तहत कुल 14 टावरों और एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के निर्माण को मंजूरी दी गई थी।सुपरटेक लिमिटेड ने नवंबर 2005 में एमराल्ड कोर्ट नाम से एक ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी का निर्माण शुरू किया। जून 2006 में सुपरटेक को उन्हीं शर्तों के तहत अतिरिक्त जमीन आवंटित कर दी गई। दिसंबर 2006 में 11 फ्लोर के 15 टावरों में कुल 689 फ्लैट्स के निर्माण के लिए प्लान में बदलाव किया गया। 2009 में सुपरटेक ने नोएडा प्राधिकरण के साथ मिलीभगत कर ट्विन टावर का निर्माण शुरू कर दिया। ये टी-16 व टी-17 टावर थे।

दोनों टावरों को लेकर स्थानीय रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन ने विरोध करना शुरू कर दिया। क्योंकि-

- उनकी सोसाइटी के ठीक सामने जिसे नोएडा अथॉरिटी ने पहले ग्रीन बेल्ट बताया था,वहां ये विशालकाय टावर खड़े हो रहे थे।
- इन ट्विन टावरों के निर्माण के दौरान अग्नि सुरक्षा मानदंडों और खुले स्थान के मानदंडों का भी उल्लंघन किया गया था।
- इन टावरों के निर्माण के दौरान NBR 2006 और NBR 2010 का उल्लंघन किया गया था। जिसके मुताबिक इन बिल्डिंगों के निर्माण के दौरान पास की अन्य बिल्डिंगों के बीच उचित दूरी का ख़्याल नहीं रखा गया था।
- नेशनल बिल्डिंग कोड (NBC), 2005 को भी ताक पर रखकर इनका निर्माण किया गया। NBC 2005 के मुताबिक ऊँची इमारतों के आसपास खुली जगह का प्रावधान है टावर T-17 से सटे खुली जगह लगभग 20 मीटर होनी चाहिए थी, 9 मीटर का स्पेस गैप उससे काफी कम है।

सुपरटेक ट्विन टावर्स (T-16 और T-17) का निर्माण

सुपरटेक ट्विन टावर्स (T-16 और T-17) का निर्माण यूपी अपार्टमेंट्स एक्ट का भी उल्लंघन है।

मूल योजना में बदलाव किया गया था लेकिन बिल्डरों ने मूल योजना के खरीदारों की सहमति नहीं ली थी।जिस एरिया को सुपरटेक ने अपने ग्राहकों को पहले ग्रीन एरिया में दिखाया था, बाद में धोखे से उसी में दो बड़ा टावर खड़े कर दिए गए. ब्रॉशर में ग्रीन एरिया देखकर घर खरीदने वालों के लिए ये एक ठगी से कम नहीं था.

मामला कोर्ट पहुँचा

■ 2009 में पूरा मामला कोर्ट पहुंच गया। एमराल्ड कोर्ट के रेजिडेंट्स ने कानूनी लड़ाई लड़ने का फैसला किया। 2010 में इसके ख़िलाफ़ कोर्ट में याचिका दायर की गई। मामले में एक्शन न होने पर सोसाइटी के लोग 2012 में इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंच गए। करीब डेढ़ साल तक हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई चली। इसके बाद 11 अप्रैल 2014 में हाईकोर्ट ने विवादित टावर ध्वस्त करने का आदेश दिया।इतना ही नहीं कोर्ट ने आरोपी नोएडा अथॉरिटी के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की बात भी कही।

सुप्रीम कोर्ट में 7 साल चली सुनवाई

■ इसके बाद हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई।सुप्रीम कोर्ट में करीब 7 साल तक पूरा मामला चला। 31 अगस्त 2021 को कोर्ट ने सुपरटेक को बड़ा झटका देते हुए रेजिडेंट्स के पक्ष में फैसला सुनाया।कोर्ट ने तीन महीने के अंदर दोनों टावर को ध्वस्त करने का आदेश दिया। हालांकि कुछ कारणों से इसकी तारीख तीन बार आगे बढ़ाई जा चुकी थी।

खरीदारों का भविष्य क्या?

■ कोर्ट ने अपने फैसले में फ्लैट खरीदारों का भी ध्यान रखा।कोर्ट ने बिल्डर को दो महीने के भीतर 12 फीसदी सालाना ब्याज के साथ ट्विन टावरों में फ्लैट खरीदारों को सभी राशि वापस करने का निर्देश दिया।इसके साथ ही बिल्डर को रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन को 2 करोड़ का भुगतान करने का भी निर्देश दिया।मार्च 2022 में सुपरटेक कंपनी को नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (NCLT) ने दिवालिया घोषित कर दिया है. गौरतलब है कि कंपनी पर करीब 1200 करोड़ रुपये का कर्ज है।

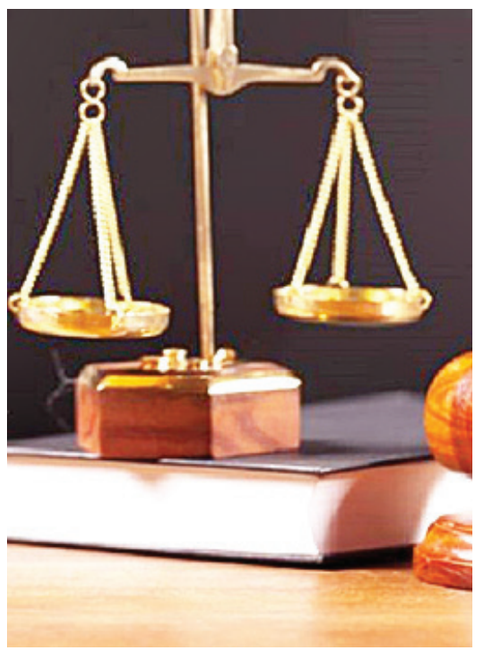

ध्वस्तीकरण के दौरान कैसी होगी सुरक्षा व्यवस्था

■ट्विन टॉवर के ध्वस्तीकरण के समय आपातकालीन सेवाओं को भी मौके पर तैनात किया जाएगा।एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड और पुलिस पिकेट स्थापित की जाएगी। 500 से ज्यादा पुलिसकर्मी, पीएसी और फायर डिपार्टमेंट के कर्मचारी व अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। इसके साथ ही एक डीसीपी, एडिशनल डीसीपी, एसीपी और इंस्पेक्टर रैंक के पांच अफसरों को ध्वस्तीकरण के दौरान मौके पर तैनात करने की योजना बनाई गयी है।

लगातार 3 साल से मनीराम जी की कोठी सहित 143 अवैध कॉम्प्लेक्सों के ध्वस्तीकरण के राजस्थान हाईकोर्ट आदेश की अवमानना कर रहा है नगर निगम हेरिटेज और डीएलबी

मनीराम जी की कोठी सहित 143 आवासीय हवेलियों में व्यवसायिक कॉम्प्लेक्सों के अवैध निर्माण के विरुद्ध राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर ने ध्वस्तीकरण का आदेश 18 सितंबर 2019 को पारित किया। जिसमें तीन सूचियों में इन 143 अवैध भवनों के नाम पते सहित नगर निगम हेरिटज जयपुर को ध्वस्त करने हेतु पाबंद भी किया गया किंतु पिछले लगभग 3 साल से उच्च न्यायालय जयपुर के आदेश की अवमानना नगर निगम हेरिटज जयपुर लगातार कर रहा है। डीबी सिविल रिट पिटिशन संख्या 15 318/ 2013 सुओमोटो बनाम स्टेट ऑफ राजस्थान के माध्यम से अवैध कॉम्प्लेक्सों की सूचियाँ जिनका ध्वस्तीकरण किया जाना था वे लगातार हिलव्यू समाचार में प्रकाशित की गईं हैं। स्वायत्त शासन हो या प्रशासन इस पर कोई कार्यवाही अब तक नहीं की गई है।

बल्कि इस बार प्रशासन शहरों के संग अभियान में ध्वस्तीकरण सूची में दर्ज 143 अवैध कॉम्प्लेक्सों में से 421,देना बैंक के सामने,मनीराम जी की कोठी का रास्ता जौहरी बाज़ार,जयपुर एवं भूखण्ड संख्या 2811 घी वालों का रास्ता जौहरी बाज़ार, जयपुर ने अवैध पट्टा आवेदन कर ही दिया था जिसकी सार्वजनिक आपत्ति सूचना निगम द्वारा प्रकाशित की गई। अगर जागरूक नागरिक अनिल पाराशर द्वारा आपत्ति दर्ज नहीं की जाती तो क्या इन अवैध भवनों के आवेदकों को पट्टा मिल जाता?

क्या जयपुर कॉलेज नाना जी की हवेली को पाँच मंज़िला निर्माण की अनुमति है?

कोई अनुमति नहीं सारा निर्माण अवैध है। नाना जी की हवेली वैश्विक धरोहर है और युनेस्को के नियमों के विरुद्ध परकोटे के नियमों का उल्लंघन करते हुए पाँच मंज़िल बन गयी है और तो और रूपसिंह जी की हवेली प्लॉट न.51-52 पर भी कब्जा किया जा चुका है

नाना जी की हवेली जो कि भूखंड संख्या 967 चौकड़ी विश्वेश्वर जी,चौड़ा रास्ता जयपुर की एक जानी मानी हवेली रही है। जो वर्तमान में जयपुर कॉलेज के रूप में अपनी पहचान लिए हुए है। इसकी वास्तविक पहचान उसके शिल्प, नक्काशी, पारम्परिक कला और शक्ल में समाई है लेकिन इस हेरिटज विश्व धरोहर को ध्वस्त कर नए रूप में निरन्तर बिना किसी रोक-टोक के ढाला जा रहा है। इसी के साथ-साथ भवन रेखा से आगे सड़क सीमा में अतिक्रमण कर पाँच मंजिला अवैध निर्माण कर छत डाल ली गयी है। जहाँ एक ओर उच्च न्यायालय जयपुर के द्वारा स्थानीय निकाय हेरिटेज नगर निगम को व राज्य सरकार को स्पष्ट आदेश पारित किया गया है कि आवासीय भूखंडों पर अवैध व्यवसायिक निर्माण गतिविधि नहीं की जा सकती एवं इस पर व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स नहीं बनाए जा सकेंगे। उसके बावजूद निरन्तर नवीनीकरण निर्माण हो रहा है बस पहले खुले में हो रहा था अब लोहे की चादर चढ़ा कर हो रहा है। **सरकार को हिलव्यू समाचार द्वारा हर तरह से सूचना दी गयी है कभी ख़बर प्रकाशित करके,कभी कॉन्फ्रेंस मीटिंग द्वारा,पीड़ित स्थानीय नागरिकों व पीड़ित दुकानदारों की पीड़ा को प्रकाशित कर,सोशल मीडिया द्वारा लेकिन सरकारी रजामंदी इस अवैध निर्माण में हो तो कौन सुनेगा आम जनता की पीड़ा?**

क्या WTP को जेडीए से अनुमति मिली थी सड़क क्रॉस करते हुए छत डालने की?

वर्ल्ड ट्रेड पार्क,महालक्ष्मी नगर,जेएलएन मार्ग को क्या अनुमति दी गयी कि वह मुख्य सड़क से जुड़े मार्ग को क्रॉस कर उस पर छत को कवर कर आसपास टावर खड़े कर सकता है। जेडीए में RTI के तहत सूचना माँगने पर सूचना न मिलना और जेडीए द्वारा प्रतिउत्तर में भवन मालिकों की असहमति दर्शाना इस मामले को और संदिग्ध बनाता है!

ओझा जी की हवेली मालिकों का सरकारी दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़, ओवर राइटिंग और फ़र्ज़ी सील लगाने का अवैध मामला

भवन संख्या 769 सिरह ड्योढ़ी बाज़ार,ओझा जी की हवेली चन्द्रभान ओझा को सम्बोधित कर नगर निगम ने 21 सितंबर 2011 को नोटिस डिस्पेच रजिस्टर में संख्या 10 में दर्ज कर एक नोटिस जारी किया जिसमें लिखा गया कि उपरोक्त पते पर हवेली पूर्व पश्चिम मुखी का संपूर्ण भाग काफी पुराना होने के नज़र से चूना पत्थर दरारे जगह-जगह से निकल रहे हैं जो कि गिराऊ हालत में है जिससे आस पड़ोस वालों एवं आने जाने वाले की जान माल को खतरा हो सकता है। अतः यह नोटिस आपको नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 243 के अंतर्गत दिया जाता है व अनुरोध किया जाता है कि इसकी पालना सूचना मिलने के 2 दिन में की जाए।

लेकिन भवन मालिकों द्वारा कोई भी मरम्मत कार्य इस नोटिस के पश्चात नहीं किया गया। इसके पश्चात 12 नवंबर 2013 को भवन मालिक चन्द्रनाथ ओझा व शांतिनाथ ओझा पुत्र विद्यानाथ ओझा ने जयपुर नगर निगम में पत्रावली संख्या 27/2061 सरण के तहत मलबा,छाजण, गेट,डब्ल्यू सी,झरोखा, छज्जा की अमानती राशि पच्चीस हज़ार चार सौ पंद्रह रुपये रसीद संख्या 9002/571 व छः लाख इकहत्तर हज़ार तीन सौ पाँच मरम्मत लागत अनुसार एक प्रतिशत राशि रसीद संख्या 9002/573 व वाटर हार्वेस्टिंग राशि एक लाख रुपये रसीद संख्या 9002/ 572 पर जमा करवाये।इस पर नगर निगम की एम्पावर्ड कमेटी के निर्णय 18 सितंबर 2013 के तहत 25.2.2014 को केवल आवासीय प्रयोजनार्थ ओझा जी की हवेली को आवश्यक नियम निर्देश का हवाला देते हुए निर्माण स्वीकृति प्रदान की गई लेकिन 2014 से 2021यानी 7 वर्ष तक कोई भी मरम्मत या निर्माण कार्य उक्त हवेली में हवेली मालिकों द्वारा नहीं करवाया गया। 2021 में किशनपोल जोन उपायुक्त द्वारा नोटिस क्रमांक एफ52/डीसी/केपीजेड/2021/308 22.03.21 के तहत हवेली मालिकों को पुनः नोटिस जारी किया गया। जिसमें निर्माण हेतु स्वीकृति न लेने व अवैध निर्माण करने का हवाला देते हुए पुनः निर्माण स्वीकृति लेने का आदेश दिया गया। इस पर शरद इंदुनाथ झा पुत्र चन्द्रनाथ झा ने उपायुक्त किशनपोल जोन नगर निगम हेरीटेज को 22.03.2021 को स्पष्टीकरण पत्र लिखा जिसमें उन्होंने वर्तमान निर्माण को नियमानुसार होना बताया और इसके साथ 7 वर्ष पुराने स्वीकृति पत्र संलग्न किये।संलग्न स्वीकृति पत्र की समयावधि एक वर्ष बाद यानी 25.02.2015 में ही नियमानुसार ख़त्म हो गयी थी लेकिन ओझा जी की हवेली मालिकों ने नगर निगम द्वारा दिए गए स्वीकृति सम्बंधित सरकारी दस्तावेज़ों में ओवर राइटिंग कर,काट-छाँट कर दस्तावेज नगर निगम जयपुर में प्रस्तुत कर दिए। जिसमें 25 फरवरी 2014 को दी गयी निर्माण स्वीकृति की समयावधि 1 वर्ष से बढ़ाकर 7 वर्ष कर दी गयी और और तो और ओवर राइटिंग कर फ़र्ज़ी सील लगाकर उसे वास्तविक दस्तावेज के रूप में किशनपोल ज़ोन उपायुक्त के समक्ष प्रस्तुत भी कर दिया।

सरकारी अधिकारी को सरकारी कागज़ों के साथ छेड़छाड़ कर,कांटछांट कर गुमराह करना 420 के अपराध में आता है।